बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल...

शेखावाटी मिशन-100

अनिवार्य हिन्दी

कक्षा – 12

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

प्रभारी : शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

: missionshekhawati100@gmail.com | 9413361111, 9828336296

टीम शेखावाटी मिशन-100

घनश्यामदत्त जाट
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनू-सीकर (राज.)

रमेशचन्द्र पूनियां
जिला शिक्षा अधिकारी
चूरू (राज.)

लालचन्द नहलिया
जिला शिक्षा अधिकारी मा.
सीकर (राज.)

अमर सिंह पचार
जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
झुन्झुनू (राज.)

रिछपाल सिंह मील
अति. जिला परि. समन्वयक
समग्र शिक्षा, सीकर (राज.)

महेन्द्र सिंह बड़सरा
सहायक निदेशक
कार्यालय संयुक्त निदेशक, चूरू

हरदयाल सिंह फगेड़िया
प्रभारी शेखावाटी मिशन-100
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

रामचन्द्र सिंह बगड़िया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

नीरज सिहाग
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
झुन्झुनू (राज.)

सांवरमल गहनोलिया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
चूरू (राज.)

महेश सेवदा
संयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

रामावतार भदाला
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

तकीनीकी सहयोग

राजीव कुमार, निजी सहायक | पवन ढाका, कनिष्ठ सहायक | महेन्द्र सिंह कोक, सहा. प्रशा. अधिकारी | अभिषेक चौधरी, कनिष्ठ सहायक

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), सीकर

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

माननीय शिक्षा मंत्री की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

हम सभी के लिए यह गौरव का विषय है कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में नित नये आयाम छू रहा है। नीति आयोग के नेशनल अचीवमेंट सर्वे (NAS) 2020 में राजस्थान सम्पूर्ण भारत में तीसरे स्थान पर रहा है। इस वर्ष राजस्थान, इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में 8027 बाल वैज्ञानिकों के चयन के साथ पूरे देश में प्रथम स्थान पर रहा हैं। इसी परम्परा व सोच को निरन्तर बनाए रखने के प्रयास में इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 का क्रियान्वयन संयुक्त निदेशक परिक्षेत्र चूरु के अधीन जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा सीकर द्वारा किया जा रहा है। अनुभवी तथा ऊर्जावान विषय विशेषज्ञों की लगन व अथक मेहनत से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा जारी संशोधित पाठ्यक्रम व मॉडल पेपर के आधार पर विषयवस्तु व मॉडल पेपर तैयार किये गये हैं, जिनको बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन के लिए विद्यार्थियों तक पहुँचाया जा रहा है।

मैं इस मिशन प्रभारी सहित सभी विषयाध्यापकों की कर्मठ टीम को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने अपनी समर्पित कार्यशैली से इस नवाचारी कार्य को अंजाम दिया है। मेरा सभी संस्थाप्रधानों से आग्रह है कि वे सभी विषयाध्यापकों से समन्वय कर इस परीक्षोपयोगी सामग्री को विद्यार्थियों तक पहुँचाना सुनिश्चित करें।

मैं आशा करता हूँ कि आपका प्रयास पूरे प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए एक नवाचार साबित होगा एवं उनके लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा।

शुभकामनाओं सहित।

3/3/21

गोविन्द सिंह डोटासरा
शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
राजस्थान सरकार, जयपुर

निदेशक महोदय की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरु संभाग, चूरु के नेतृत्व में 'शेखावाटी मिशन–100' के तहत माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक परीक्षा 2021 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों हेतु बोर्ड परीक्षा में उपयोगी विषयवस्तु एवं प्रश्नकोश तैयार किया जा रहा है हालांकि यह सत्र कोविड–19 के कारण प्रभावित रहा है इसमें विद्यार्थियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

'शेखावाटी मिशन–100' की टीम ने विद्यार्थियों के हित को देखते हुए संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार नवाचार करने का प्रयास किया। विद्यार्थियों के लिए जो विषयवस्तु व प्रश्नकोश निर्माण किया है आशा करते है कि यह विद्यार्थियों के लिए निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करने में लाभदायक सिद्ध होगा।

प्रतिभाशाली और कर्मठ ऊर्जावान शेखावाटी मिशन–100 की टीम को मेरी ओर से हार्दिक बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

शुभकामनाओं सहित।

सौरभ स्वामी (IAS)
निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,
बीकानेर

संयुक्त निदेशक की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम में मात्रात्मक एवं गुणात्मक अभिवृद्धि हेतु एक शैक्षिक नवाचार के रूप में 2017–18 में शेखावाटी मिशन–100 शुरु किया गया था। इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 की जिम्मेदारी संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा चूरु संभाग के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक सीकर को मिली है। इस नवाचारी पहल ने पिछले 03 वर्षो में चूरु संभाग में बोर्ड परीक्षा परिणाम में सफलता के नये आयाम बनाये हैं।

पिछले वर्षो में मिली इस अभूतपूर्व सफलता से अभिप्रेरित होकर इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 का दायरा बढ़ाकर 17 विषयों तक किया गया है। इस वर्ष कक्षा–10 के 07 विषयों (संस्कृत व उर्दू सहित) तथा कक्षा 12 में 10 विषयों, जिनमें अनिवार्य हिन्दी व अंग्रेजी के अलावा विज्ञान संकाय में 04 विषयों (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान व गणित) तथा कला संकाय में 04 विषयों (हिन्दी, साहित्य, राजनीति विज्ञान, इतिहास व भूगोल) के लिए बोर्ड द्वारा संशोधित पाठ्यक्रम व मॉडल पेपर के आधार पर अध्ययन सामग्री व मॉडल पेपर तैयार किये गये हैं। पाठ्य विषय वस्तु को इस प्रकार तैयार किया गया है कि सभी तरह के बौद्धिक स्तर वाले विद्यार्थी कम समय में भी अधिकतम अंक अर्जित कर सकेंगे।

शेखावाटी मिशन–100 में उन विषय विशेषज्ञों का चयन किया गया है जिनके पिछले वर्षो में अपने विषयों के गुणात्मक रूप से शानदार परीक्षा परिणाम रहे हैं।

मैं इस मिशन को सफल बनाने में सहयोग के लिए संभाग के सभी शिक्षा अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों का तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

लालचन्द बलाई
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू

शेखावाटी मिशन-100

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्यक्रम सत्र : 2020–21
उच्च माध्यमिक परीक्षा – 2021

विषय : अनिवार्य हिन्दी

सर्वश्रेष्ठ सफलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वश्रेष्ठ संकलन

हरदयाल सिंह फगेड़िया
प्रभारी शेखावाटी मिशन–100
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

जितेन्द्र कुमार थालोर
संयोजक अनिवार्य हिन्दी
रा.उ.मा.वि., राजास (सीकर)
मो. : 9667105633

जितेन्द्र सिंह खीचड़
सहसंयोजक अनिवार्य हिन्दी
रा.उ.मा.वि., गाड़ोदा (सीकर)

झाबरमल
रा.उ.मा.वि., भीराना (सीकर)

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों !

इस सत्र में बोर्ड परीक्षाएं 6 मई 2021 से आयोजित होने वाली हैं। बोर्ड परीक्षा परिणाम विद्यार्थी के भविष्य की दशा एवं दिशा निर्धारित करता है। इसलिए विद्यार्थी व अभिभावक का तनावग्रस्त होना स्वाभाविक है और यह चिन्ता इस वर्ष कोविड–19 महामारी ने और बढ़ा दी। प्रत्येक विद्यार्थी परीक्षा में अच्छे अंक लाने हेतु अपनी तरफ से वर्षभर कक्षा शिक्षण, गृहकार्य व नोट्स तैयार कर तैयारी करता है परंतु गत वर्ष से कोविड–19 जैसी वैश्विक महामारी के चलते कक्षा शिक्षण कार्य अत्यधिक प्रभावित हुआ है। परीक्षा से पूर्व का समय बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। इस महामारी एवं अध्यापन कार्य के प्रभावित होने के कारण माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर ने विद्यार्थी हित को देखते हुए लगभग 50 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किया है जो कि अधिकतम अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी के पास सर्वोत्तम सुअवसर है।

अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए एक रणनीति बनाकर तैयारी करना आवश्यक होता है। शेखावाटी मिशन–100 हिंदी की टीम द्वारा कम समय में यह पाठ्य सामग्री तैयार की गई है। हमें विश्वास है कि निश्चित रूप से इस पाठ्य सामग्री को पढ़कर आपको सफलता मिलेगी। बोर्ड परीक्षा परिणाम में संख्यात्मक व गुणात्मक सुधार के लिए यह एक प्रयास है। प्रस्तुत पाठ्य सामग्री में परीक्षा की तैयारी हेतु उपयोगी जानकारी व महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर प्रस्तुत किए गए हैं। हमारा सुझाव है कि आप इस पाठ्य सामग्री को मन लगाकर पढ़ें और अपनी परीक्षा की रणनीति तैयार करें। फिलहाल स्वाध्याय के लिए यह मौसम अनुकूल समय है। आप इसका सदुपयोग करें। देखने में आता है कि अधिकतर विद्यार्थी हिंदी विषय के प्रति गंभीर नहीं होते। अतः अन्य विषयों में विशेष योग्यता अर्जित करने के बावजूद भी हिंदी में अच्छे अंक प्राप्त नहीं कर पाते हैं। अतः सरल विषय मानकर हिंदी विषय की उपेक्षा न करें।

शुभकामनाओं सहित।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

सत्र–2021 **विषय– अनिवार्य हिन्दी** **कक्षा–12**

परीक्षा समय(घण्टे)	प्रश्नपत्र के लिये अंक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक 3.15 घण्टे	80	100

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	08
व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना	16
पाठ्य पुस्तक–सृजन	32
पाठ्य पुस्तक–पीयूष प्रवाह	12
संवाद सेतु	12

खण्ड–1 व्याकरण

अपठित बोध– 08 अंक

(क) अपठित गद्यांश 08

खण्ड–2

व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना 16 अंक

(क) भाषा, व्याकरण एवं लिपि का परिचय 02 अंक

(ख) अलंकार–(अनुप्रास,श्लेष, यमक, उपमा) 02 अंक

(ग) पारिभाषिक शब्दावली 02 अंक

(घ) पत्र एवं प्रारूप लेखन (अर्द्धशासकीय पत्र, निविदा, विज्ञप्ति) 02 अंक

(ड.) निबन्ध लेखन (विकल्प सहित) 08 अंक

खण्ड–3

सृजन 32 अंक

(क) एक व्याख्या गद्य से 04 अंक

(ख) एक व्याख्या पद्य से 04 अंक

(ग) दो निबन्धात्मक प्रश्न (गद्य व पद्य से एक एक) 08 अंक

(घ) चार लघूतरात्मक प्रश्न (दो गद्य एवं दो पद्य से) 08 अंक

(ड़) किसी एक कवि या लेखक का परिचय 04 अंक

(च) दो अति लघूतरात्मक प्रश्न (एक गद्य व एक पद्य से) 04 अंक

खण्ड–4

पीयूष प्रवाह 12 अंक

(क) एक निबन्धात्मक प्रश्न विकल्प सहित 06 अंक

(ख) चार लघूतरात्मक प्रश्नों में से कोई तीन प्रश्न 06 अंक

खण्ड–5

संवाद सेतु 12 अंक

(क) समाचार लेखन एक प्रश्न 02 अंक

(ख) विविध प्रकार के लेखन

(फीचर,संपादकीय, सम्पादक के नाम पत्र,प्रतिक्रिया लेखन एक प्रश्न) 02 अंक

(ग) साक्षात्कार लेने की कला एक प्रश्न 02 अंक

(घ) विविध क्षेत्रों मे पत्रकारिता एक प्रश्न 03 अंक

(ड.) वार्ता, रिपोर्ताज, यात्रा वृतान्त, डायरी लेखन की कला एक प्रश्न 03 अंक

भाषा, व्याकरण एवं लिपि का परिचय

प्रश्नः– विचार व्यक्त करने, मनोभावों को कहने तथा प्रकट करने का साधन है–

(अ) भाषा (ब) संचित ज्ञान (स) अवाचिक ध्वनि (द) व्याकरण (अ)

प्रश्नः– भाषा का सीमित, अविकसित तथा आम बोलचाल में प्रयुक्त होने वाला रूप है–

(अ) राष्ट्रभाषा (ब) राजभाषा (स) बोली (द) विशिष्ट भाषा (स)

प्रश्नः– हिन्दी व्याकरण को मुख्यतः कौनसे वर्ग में विभाजित किया जा सकता है–

(अ) वर्ण विचार (ब) शब्द विचार (स) वाक्य विचार (द) उपरोक्त सभी (द)

प्रश्नः– देवनागरी लिपि का विकास किस लिपि से माना जाता है–

(अ) खरोष्टी लिपि (ब) अरामाइक लिपि (स) कुटिल लिपि (द) ब्राह्मी लिपि (द)

प्रश्नः– भाषा और बोली में मुख्य अन्तर कौन से है?

उत्तरः– भाषा विस्तृत क्षेत्र में बोली जाती है। उसका निश्चित व्याकरण होता है तथा उसमें साहित्य लेखन भी किया जाता है। जबकि बोली एक सीमित क्षेत्र में बोले जाने वाला रूप है जिसे उपभाषा भी कहते है।बोली का कोई व्याकरण नहीं होता है।

प्रश्नः– लिपि किसे कहते है?

उत्तरः– भाषा लेखन हेतु जिन लेखन चिह्नों की सहायता ली जाती है उसे लिपि कहते है।

प्रश्नः– राष्ट्रभाषा किसे कहते है?

उत्तरः– वह भाषा जो एक देश या राष्ट्र के अधिकांश लोगों द्वारा बोली तथा समझी जाती है तथा उस राष्ट्र की संस्कृति से संबंधित होती है राष्ट्रभाषा कहलाती है।

प्रश्नः– हिन्दी व्याकरण की उपयोगिता बताइये।

उत्तरः– हिन्दी भाषा में उसका व्याकरण शुद्धरूप से लिखने तथा बोलने के नियमों से परिचित कराता है तथा व्याकरण भाषा को सर्वमान्य तथा स्थायी रूप देता है।

प्रश्नः– देवनागरी लिपि की कोई दो विशेषतायें लिखिये।

उत्तरः– 1. उच्चारण के सूक्ष्म अन्तर को प्रकट करने की क्षमता।
2. जिस वर्ण का जो उच्चारण होता है वही लिखा जाता है।

प्रश्नः– एक बोली किसी भाषा का रूप कब ग्रहण कर सकती है?

उत्तरः– बोली जब किसी बहुत बडे क्षेत्र में बोलचाल का माध्यम बन गई हो तथा उसमें विभिन्न प्रकार का साहित्य सृजन होने लगे तब एक बोली भाषा का रूप ग्रहण कर सकती है।

प्रश्नः– भाषा के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिये।

उत्तरः– भाषा का मुख्य उद्देश्य विचारों को प्रकट करना है। इन्हीं विचारों को उसी भाषा में लेखन कार्य करके एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचा सकते है।

प्रश्नः– पश्चिमी हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ कौनसी है?नाम लिखिये।

उत्तरः– पश्चिमी हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ है–

1.खडी बोली 2.ब्रज 3.बांगरू 4.बुंदेली 5.कन्नौजी

प्रश्नः– राजस्थानी उपभाषा की प्रमुख बोलियां कौन कौनसी है?

उत्तरः– मारवाड़ी, मेवाड़ी, मेवाती, हाडौती।

प्रश्नः– देवनागरी लिपि किन किन भाषओं की लिपि है?

उत्तरः– हिन्दी, संस्कृत, नेपाली, मराठी, कोंकणी।

प्रश्नः– जब एक ही शब्द दो या दो से अधिक बार भिन्न भिन्न अर्थों में प्रयुक्त हो तो कौनसा अलंकार माना जाता है–

(अ) अनुप्रास (ब) श्लेष (स) यमक (द) उपमा (स)

प्रश्नः–' 'भजन कह्यो तातैं भज्यौ, भज्यौ न एकौ बार
दूरि भजन जातै कह्यौ, सो तै भज्यौ गँवार।'' इसमे अलंकार है–

(अ) अनुप्रास (ब) श्लेष (स) उत्प्रेक्षा (द) उपमा (अ)

प्रश्नः– ''अंग अंग नग जगमगत , दीपसिखा सी देह।
दिया बढाएँ हूँ रहै , बडौ उज्यारौ गेह।।'' दोहे मे प्रयुक्त अलंकार है–

(अ) अनुप्रास (ब) श्लेष (स) यमक (द) उपमा (द)

प्रश्नः– ''रहिमन पानी राखिये , बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरे , मोती मानुस चून।।'' दोहे मे प्रयुक्त अलंकार है–

(अ) अनुप्रास (ब) श्लेष (स) यमक (द) उपमा (ब)

प्रश्नः– श्लेष अलंकार को परिभाषित करते हुये उदाहरण सहित समझाइये।

उत्तरः– जब किसी वाक्य में कोई शब्द अपने एक से अधिक अर्थ प्रकट करे तो उस वाक्य में श्लेष अलंकार माना जाता है। उदाहरण–
अजौ तरयौना ही रह्यो , श्रुति सेवक एक रंग।
नाकवास बेसरि लह्यो, बसि मुकुतन के संग।।
इसमें एक पक्ष में 'तरयौना' का अर्थ कान का आभूषण है जबकि दूसरे पक्ष में तरयौना का अर्थ तरा नहीं अर्थात् निकृष्ट जीव है।

प्रश्नः– उपमा अलंकार की परिभाषा देते हुये कोई एक उदाहरण लिखिये।

उत्तरः– जब किन्ही दो वस्तुओं में रूप, रंग, गुण, स्वभाव के कारण समानता या तुलना की जाती है तो वहाँ उपमा अलंकार माना जाता है। उदाहरण– 'पीपर पात सरिस मन डोला' उक्त उदाहरण में मन को पीपल के पत्ते की तरह हिलता हुआ बताया गया है।

प्रश्नः– ''कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।
या खाये बोराय जग,वा पाये बोराय।।'' प्रस्तुत पद में कौनसा अलंकार है–

उत्तरः– प्रस्तुत पद में यमक अलंकार है। जब कोई शब्द या शब्दांश किसी काव्य में बार बार आये किन्तु प्रत्येक बार अर्थ भिन्न हो तो यमक अलंकार होता है।

प्रश्नः– अनुप्रास अलंकार को सोदाहरण समझाइये।

उत्तर– जहां एक या अनेक वर्ण दो या दो से अधिक बार एक ही क्रम में रखे जाते है अर्थात् वर्णो की आवृति होती है वहाँ अनुप्रसा अलंकार होता है। जैसे–'सघन कुंज छाया सुखद शीतल सुरभि समीर' इसमें 'स' वर्ण की आवृति होने से काव्य सौन्दर्य की वृद्धि हुई है। अतः अनुप्रास अलंकार है।

प्रश्नः– उपमा अलंकार के अंगो का वर्णन कीजिये।

उत्तरः– उपमा के निम्नलिखित चार अंग होते है–

1. उपमेय– वर्णनीय व्यक्ति या वस्तु जिसकी समानता प्रसिद्ध वस्तु से बतलाई जाये।
2. उपमान–जिससे उपमेय की समानता बतलाई जाये।
3. समान धर्म–उपमेय तथा उपमान में समान रूप से पाये जाने वाले गुणों को समान धर्म कहते है।
4. वाचक शब्द– जिन शब्दों द्वारा उपमेय तथा उपमान को जोडा जाता है उसे वाचक शब्द कहते है।

शेखावाटी मिशन–100

पत्र एवं प्रारूप लेखन (अर्द्धशासकीय पत्र, निविदा, विज्ञप्ति)

प्रश्नः– अर्द्धशासकीय पत्र किसे कहते है? कोई दो विशेषताये लिखिये ।

उत्तरः– सरकारी कामकाज के सम्बन्ध में विभिन्न अधिकारियों के मध्य जिस पत्र के माध्यम से व्यवहार होता है उसे अर्द्ध शासकीय पत्र कहते है। इसकी निम्न विशेषताये है–1. इस पत्र को किसी अधिकारी को व्यक्तिगत नाम से भेजा जाता है। 2. इस पत्र का मूल उद्देश्य किसी अधिकारी का व्यक्तिगत ध्यान किसी विषय की ओर आकर्षित किया जाता है।

प्रश्नः– निविदा किसे कहते है?

उत्तरः– सरकारी कार्यालयों अथवा गैर सरकारी प्रतिष्ठानों द्वारा सामान आपूर्ति या निर्माण हेतु समाचार पत्रों में जो आमंत्रण प्रकाशित किया जाता है उसे निविदा कहते है।

प्रश्नः– विज्ञप्ति किसे कहते है?

उत्तरः– कोई भी राजकीय या गैर राजकीय संस्था अपने निर्देश , योजना व निर्णय को किसी समाचार पत्र के माध्यम से आम जनसमूह तक पहुँचाया जाता है उसे विज्ञप्ति कहते है।

पारिभाषिक शब्दावली

प्रश्नः– Adhoc शब्द का हिन्दी अर्थ है–

(अ) अधिनियम (ब)कार्यवाही (स) तदर्थ (द) लेखाकार (स)

प्रश्नः– Disposal शब्द का हिन्दी अर्थ है–

(अ)संवाद (ब) निष्पादन (स) प्रारूप (द) कर्तव्यभर (ब)

प्रश्नः– ''अवैतनिक'' शब्द का अंग्रेजी रूपान्तरण होगा–

(अ) Host (ब) Homage (स)Hint (द) Honarary (द)

प्रश्नः– ''सशक्तिकरण'' शब्द का अंग्रेजी रूपान्तरण है–

(अ) Emblem (ब) Encash (स) Enquiry (द) Empowerment (द)

अन्य महत्वपूर्ण पारिभाषिक शब्दावलियाँ

1.	Heirless	– लावारिस
2.	Grant	– अनुदान
3.	Illegal	– अवैध
4.	Index	– अनुक्रमणिका
5.	External	– बाह्य
6.	Memo	– ज्ञापन
7.	Neutral	– तटस्थ
8.	Oath	–शपथ
9.	Permission	– अनुमति
10.	Pact	– समझौता
11.	Observer	– प्रेक्षक
12.	Quorum	– गणपूर्ति
13.	Recruitment	– भर्ती
14.	Register	– पंजिका
15.	Tribunal	– अधिकरण
16.	Valid	– विधिमान्य
17.	Warrant	– अधिपत्र
18.	Zone	– अंचल
19.	Witness	– गवाह
20.	Guarantee	– प्रत्याभूति
21.	Financial	– वित्तीय
22.	Fund	– निधि

शेखावाटी मिशन–100

23.	Annual	– वार्षिक
24.	Bail	– जमानत
25.	Bonus	– अधिलाभ
26.	Approval	– अनुमोदन
27.	Agent	– अभिकर्ता
28.	Campaign	– अभियान
29.	Conditional	– सशर्त
30.	Adopt	– अपनाना
31.	Budget	– आय–व्ययक
32.	Cabinet	– मंत्रिमंडल
33.	Census	– जनगणना
34.	Gazette	– राजपत्र
35.	Code of conduct	– आचार संहिता
36.	Draft	– प्रारूप
37.	Bio-Data	– जीवन वृत्त
38.	Project	– परियोजना
39.	Declaration	– घोषणा

सृजन–पद्य खण्ड

सूरदास

प्रश्नः– सूरदास की भक्ति मानी जाती है–

(अ) सखा भाव (ब) दास्य भाव (स) माधुर्य भाव (द) कान्ता भाव (अ)

प्रश्नः– गोपियों ने उद्धव को योग की शिक्षा किसे देने को कहा है–

(अ)मथुरावासियों को (ब) अस्थिर मन वालों को (स) श्री कृष्ण को (द) साुधु संतों को (ब)

प्रश्नः– गोपियों ने सूखी सरिता कहा है–

(अ) योग के संदेश को (ब) श्री कृष्ण के व्यवहार को (स)उद्धव के व्यवहार को (द)अपने ह्रदय को (द)

प्रश्नः– गोपियों ने किसे 'करूई ककरी' कहा है–

(अ) उद्धव को (ब) श्री कृष्ण को

(स) निर्गुण ब्रह्म एवं योग के उपदेश को (द) अपने जीवन को (स)

प्रश्नः– 'कैसे रहै रूप रस राची वे बतियाँ बनी रूखी' पंक्ति में गोपियों ने 'रूखी बतियाँ' किसे कहा है–

(अ) कृष्ण के साथ बिताये पलों को (ब) अपने शरीर को

(स) योग के संदेश को (द) ब्रज के बगीचों को (स)

प्रश्नः– सूरदास ने अँखियों को भूखी बताया है–

(अ) प्राकृतिक सौन्दर्य की (ब) नींद लेने की (स) सूरमा लगाने की (द) हरि दर्शन की (द)

प्रश्नः– सूरदास के पदों में किस रस की प्रधानता है?

उत्तर– सूरदास के पदों में वात्सल्य एवं श्रृंगार रस की प्रधानता है।

प्रश्नः– सूरदास भक्ति काल के किस काव्य धारा के कवि है?

उत्तर– सूरदास भक्ति काल की सगुण भक्ति शाखा में कृष्ण भक्ति काव्य धारा के कवि माने जाते है।

प्रश्नः– गोपियों ने काजर की कोठरी किसे कहा है?

उत्तर– गोपियों ने मथुरा को काजर की कोठरी कहा है।

प्रश्नः– गोपियों ने श्री कृष्ण को किस प्रकार अपना रखा है?

उत्तर– गोपियों ने श्री कृष्ण को मन,वचन एवं कर्म से अपना रखा है।

प्रश्नः– ''सोई व्याधि हमै लै आए''गोपियों ने व्याधि किसे कहा है?

उत्तर– उद्धव द्वारा दिये गये योग के संदेश को गोपियों ने व्याधि कहा है।

प्रश्नः– ''सुनत मौन हवै रह्यो ठग्यो सो '' उद्धव के मौन होकर ठगा सा रह जाने का क्या कारण था?

उत्तर– गोपियों द्वारा निर्गुण ब्रह्म को लेकर पूछे गये प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाने के कारण उद्धव मौन एवं ठगा सा रह गया।

लघूतरात्मक प्रश्न

प्रश्नः– ''हम तो दुहूँ भाँति फल पायो''उक्त कथन का आशय स्पष्ट कीजिये।

उत्तर– उक्त कथन द्वारा गोपियां कहती है कि हमने तो दोनों रूपों में सुफल प्राप्त कर लिया है यदि श्रीकृष्ण मिल जाते है तो बहुत ही अच्छी बात है यदि नहीं भी मिलते है तो भी हमने सारे जगत में यश प्राप्त कर लिया है। कहाँ हम गोकुल की वर्णहीन छोटी जाति की स्त्रियाँ और कहा वे कमला के स्वामी (श्रीकृष्ण) जिनके साथ हमें मिलने बैठने का अवसर मिल गया।

प्रश्नः– महाकवि सूरदास का साहित्यिक परिचय दीजिये ।

उत्तर– सूरदास का जन्म सन् 1483 ई.को दिल्ली के निकट सीही नामक स्थान पर हुआ था।सूरदास को महाप्रभु वल्लभाचार्य ने वल्लभ संप्रदाय में दीक्षित किया तथा भागवत कथा सुनाई जिसके आधार पर कवि ने उच्च कोटि के साहित्य की रचना की।वे भक्ति श्रृंगार एवं वात्सल्य के अनुपम कवि है। इनकी तीन प्रसिद्व रचनायें–सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी है।

प्रश्नः– सूरदास के पदों की काव्यगत विशेषताएँ लिखिये ।

उत्तर– सूरदास के पदों की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित है–

भाव पक्ष–सूरदास के पदों में गोपियों के उद्धव के साथ संवाद में विरह वेदना का मार्मिक चित्रण, श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम, निर्गुण ब्रह्म पर सगुण की श्रेष्ठता, गोपियों की वाचालता आदि का सुन्दर चित्रण हुआ है।

कला पक्ष–सूरदास के पदों की भाषा ब्रज है। इनके काव्य में अनुप्रास,रूपक,श्लेष एवं उपमा आदि अलंकारों का प्रयोग हुआ है।वात्सल्य, श्रृंगार तथा भक्ति रस का भी सुन्दर चित्रण हुआ है।

प्रश्नः– निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

अँखियाँ हरि–दरसन की भूखी।
कैसे रहैं रूपरसराची ये बतियाँ सुनी रूखी।।
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहिं झूखी।
अब इन जोग–सँदेसन ऊधो अति अकुलानी दूखी।।
बारक वह मुख फेरि दिखावो दुहि पय पिवत पतूखी।
सूर सिकत हठि नाव चलायो ये सरिता है सूखी।।

उत्तर– **संदर्भ एवं प्रसंग–**प्रस्तुत पद सूरदास द्वारा रचित सूरसागर के भ्रमरगीत प्रसंग से लिया गया है। इस पद में गोपियां श्रीकृष्ण के उस रूप का दर्शन करना चाहती हैं जिसमें वह पत्तों के दोनो में दूध दुह कर पीया करते थे।

व्याख्या –गोपियां उद्व से कहती है कि हमारी आँखे प्रियतम श्रीकृष्ण के दर्शनों की भूखी है। इनकी भूख आपके नीरस योग एवं ज्ञान के उपदेशों से कैसे बुझ सकती है कल तक जो आँखे श्रीकृष्ण के रूप सौन्दर्य के रस में डूबी रहती थी। जब हम श्रीकृष्ण के मथुरा से लौटने की अवधि एक–एक दिन गिन रही थी तब भी इतनी नहीं खीझाी थी पर आज आपके इन योग के संदेशों को सुनकर हमारी आँखें अत्यन्त दुःखी हैं। बस एक बार हमें प्रियतम श्रीकृष्ण के उस मुख के दर्शन करा दीजिये जिससे वह पत्तों के दोनों में दूध दुहकर पीते थे। हे उद्व! आप अपनी योग रूपी नाव को हमारे सूखी सरिताओं जैसे हृदय में बलपूर्वक चलाना चाहते हैं जो कभी संभव नहीं हो सकता है।

विशेष–

1. गोपियों के वाक्चातुर्य एवं विरह–व्यथा का सुन्दर प्रयोग हुआ है।
2. मधुर ब्रज भाषा का प्रयोग हुआ है।
3. अनुप्रास एवं रूपक अलंकार का सुन्दर प्रयोग किया गया है।

नीति के दोहे–रहीम

प्रश्नः– रहीम के काव्य की सर्वाधिक प्रमुख विशेषता है–

(अ) सामासिकता (ब) श्रृंगारिकता (स) नीति प्रवणता (द) अनुभव संकुलता (स)

प्रश्नः– ''काक और पिक'' की पहचान होती है :–

(अ) वर्षा ऋतु में (ब) बसंत ऋतु में (स) शरद ऋतु में (द) ग्रीष्म ऋतु में (ब)

प्रश्नः– कवि रहीम ने सज्जन व्यक्ति की क्या विशेषता दर्शायी है–

(अ) परोपकारी (ब) उत्तम स्वभाव (स) अभिमान रहित (द) उक्त सभी (द)

प्रश्नः– ''नीति के दोहे'' रचना में कवि ने किसे दीनबंधु के समान बताया है–

(अ) पिता (ब) भगवान (स) अकबर (द) इनमें से कोई नहीं (ब)

प्रश्नः– ''रहिमन अँसुआ नैन ढरि, जिय दुःख प्रकट करेई'' उक्त पंक्ति में आँखों से गिरे आँसू क्या प्रकट कर देते है–

(अ) मन का क्रोध (ब) मन का दुःख (स) मन का वैराग्य (द) इनमे से कोई नहीं (ब)

प्रश्नः– ''संपति संचहि सुजान'' सज्जन व्यक्ति किसलिये संपत्ति का संचय करते है–

(अ) तीर्थ यात्रा के लिये (ब) परोपकार (स) पुत्रों के लिये (द) धनवान बनने हेतु (ब)

प्रश्नः– ''कदली, सीप, भुजंग–मुख,स्वाति एक गुन तीन'' पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है–

(अ) सेवा का (ब) परोपकार का (स) सत्संगति का (द) एकेश्वरवाद का (स)

प्रश्नः– ''मांगे घटत रहीम पद,कितौ करौ बढि काम'' कवि ने किसे अपमानजनक बताया है–

(अ) अमीर होना (ब)दानशील होना (स) याचना करना (द)गरीब होना (स)

प्रश्नः– ''काज परै कछु और है,काज सरै कछु और।
रहिमन भँवरी के भए,नदी सिरावत मौर।।
प्रस्तुत दोहे के माध्यम से मनुष्य की किस प्रवृति की ओर संकेत किया गया है?

उत्तर– प्रस्तुत दोहे में कवि ने मनुष्य की स्वार्थी प्रवृति की ओर संकेत किया है। जब तक मनुष्य का किसी व्यक्ति से स्वार्थ सिद्व होता है वह उसे बडा महत्व देता है और काम निकल जाने पर ठुकरा देता है।

प्रश्नः– रहीम के अनुसार कुसंग का प्रभाव किन लोगों पर नहीं पडता है?

उत्तर– रहीम के अनुसार उत्तम स्वभाव वाले लोगों पर कुसंग का प्रभाव नहीं पडता है।

प्रश्नः– रहीम का पूरा नाम क्या था?

उत्तर– रहीम का पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना था।

प्रश्नः– रहीमदास जी ने सज्जन व्यक्ति के रूठ जाने पर भी बार बार मनाने की बात क्यों कही है?

उत्तर– सज्जन व्यक्ति से हमें ज्ञान की प्राप्ति होती है तथा उससे हमारा भला होता है तथा सम्मान मिलता है।

प्रश्नः– ''बिगरी बात बने नहीं'' इसके लिये रहीम ने क्या उदाहरण दिया है?

उत्तर– जिस प्रकार फटे हुए दूध से मक्खन नहीं निकाला जा सकता है उसी प्रकार बिगडी बात दुबारा नहीं बनती है।

प्रश्नः– बिना मान के अमृत पीने से राहु को क्या परिणाम भोगना पडा?

उत्तर– देवाताओं के बीच छिपकर अमृत पीने वाले राहु का भगवान विष्णु ने सिर काट दिया था अतः राहु को कठोर दंड का परिणाम भोगना पडा।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्नः– रहीम के काव्य का प्रमुख प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिये।

उत्तर– रहीम के काव्य में भक्ति,श्रृंगार,प्रेमभाव एवं व्यावहारिक नीति के दर्शन होते है। रहीम के भक्ति से संबंधित काव्य में उनके सरल भक्त ह्रदय एवं समर्पण भाव के दर्शन होते है। उन्होने लोक व्यवहार एवं अनुभव को सुन्दर अभिव्यक्ति दी है।

प्रश्नः– कवि रहीम का साहित्यिक परिचय दीजिये।

उत्तर– कवि रहीम का जन्म सन् 1556 ई.में हुआ था। इनका पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना था। ये अकबर के नवरत्नों में से एक थे।ये बचपन से ही साहित्य प्रेमी और प्रतिभाशाली थे। इन्होने नीति, भक्ति, श्रृंगार तथा प्रेम आदि विषयों पर काव्य रचनायें लिखी। ये अपनी दानवीरता के लिये प्रसिद्व थे।

इनकी प्रमुख रचनाएँ है–दोहावली,बरवै नायिका भेद, रास पंचाध्यायी,मदनाष्टक तथा नगर शोभा।

प्रश्नः– संकलित दोहो के आधार पर रहीम की काव्यगत विशेषतायें लिखिये।

उत्तर– कवि रहीम ने अपने काव्य में मनुष्य की व्यवहार कुशलता,उदारता,परोपकार,स्वाभिमान,सत्संगति आदि मानवीय गुणों पर प्रकाश डाला है। इनके काव्यों में उपदेशात्मक भावों की सुन्दर अभिव्यक्ति हुई है।

कवि ने अपने दोहों की रचना सरल,सरस और साहित्यिक ब्रज भाषा में की है। उन्होने अपनी बात को प्रभावशाली बनाने के लिये दृष्टान्तों एवं उदाहरणों का सुन्दर प्रयोग किया है।इन्होने अनुप्रास,उपमा,रूपक,तथा दृष्टान्त आदि अलंकारों का सुन्दर प्रयोग किया है।

बिहारी सतसई के कुछ पदः–बिहारी

प्रश्नः– ''बिहारी सतसई'' में किस रस की प्रधानता है–

(अ) शान्त रस (ब) श्रृंगार रस (स) वीर रस (द) हास्य रस (ब)

प्रश्नः– बिहारी की काव्य शैली है–

(अ) मुक्तक काव्यशैली (ब) खण्ड काव्य शैली (स) गीति काव्य शैली (द) प्रबंध काव्य शैली (अ)

प्रश्नः– किस कारण गोपियों ने श्रीकृष्ण की मुरली को छिपा दिया था–

(अ) मिलन के कारण (ब) वियोग के कारण (स) मधुर बातों के कारण (द) उक्त सभी (स)

प्रश्नः– कवि बिहारी ने श्रीकृष्ण के साँवले शरीर की तुलना किस पर्वत से की है–

(अ) नीलमणि (ब) सुमेरू (स) कंचनजंघा (द) विंध्याचल (अ)

प्रश्नः– ''भजन कह्यो, तातैं भज्यौ, भज्यौ न एकौ बार
दूरि भजन जातै कह्यो,सो तै भज्यौ गँवार'' दोहे में कवि ने किससे दूर रहने का उपदेश दिया है–
(अ) सांसारिक जीवन (ब) मोह माया (स) निराकार भक्ति (द) बहुदेववाद (ब)

प्रश्नः– ''अजौं तरयौना ही रह्यौ,श्रुति सेवत इकरंग।
नाक बास बेसरि लह्यौ, बसि मुकुतन के संग।।'' दोहे में नाक को किस का प्रतीक माना गया है–
(अ) मंदिर (ब) नरक (स) स्वर्ग(मोक्ष) (द) श्मशान (स)

प्रश्नः– ''नाचि अचानक ही उठै, बिनु पावस बन मोर।''अचानक मोरों के नाचने से नायिका को क्या अनुभव होता है–
(अ) बेमौसम बरसात का (ब) श्रीकृष्ण के आगमन का (स) गायों के आने का (द) उक्त सभी (ब)

प्रश्नः– बिहारी किस काल के और किस काव्यधारा के कवि थे?

उत्तर– बिहारी रीतिकाल के श्रृंगारी कवि थे। ये रीतिसिद्धकाव्यधारा के प्रसिद्ध कवि थे।

प्रश्नः– बिहारी के काव्य की कोई दो विशेषतायें लिखिये।

उत्तर– 1. कल्पना की समाहार शक्ति
2. आलंकारिक कथन शैली।

प्रश्नः– बिहारी की काव्य शैली और रचना पद्धति कौनसी है?

उत्तर– मुक्तक काव्य शैली और सामासिक रचना पद्धति।

प्रश्नः– ''तू मोहन के उर बसी,ह्वै उरबसी समान'' इसमें उरबसी के समान किसे कहा गया है?

उत्तर– इसमें चतुर राधा को उरबसी (अप्सरा) के समान बताया गया है।

प्रश्नः– कवि ने नायिका की देह को किसके समान बताया है?

उत्तर– कवि ने नायिका की देह को दीपशिखा (दीपक की लौ) के समान बताया है।

प्रश्नः– समान आभा के कारण नजर न आने वाले नायिका के आभूषणों की पहचान किस प्रकार होती है?

उत्तर– नायिका के आभूषणों को स्पर्श करने पर उनकी कठोरता से स्पष्ट पहचान होती है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्नः– ''जगत के चतुर चितेरे को भी मूढ बनना पडा'' कवि ने ऐसाक्यों कहा है?

उत्तर– नायिका का रूप सौन्दर्य प्रतिपल परिवर्तित होता रहता है। चित्रकार के लिये परिवर्तनशील वस्तु का चित्र बनाना कठिन होता है। पल पल बदलते नायिका के रूप सौन्दर्य का चित्र न बना पाने के कारण चित्रकारों को मूढ बनना पडा।

प्रश्नः– नायिका नायक को पत्र क्यों नहीं लिख पा रही है?

उत्तर– नायिका का शरीर विरह व्यथा के कारण अत्यन्त कमजोर होने से उसके हाथ लिखते समय काँपने लगते है और उसके आँसुओं से कागज पर स्याही फैल जाने के कारण वह पत्र नहीं लिख पा रही है।

प्रश्नः– ''या अनुरागी चित्त की,गति समुझै नहि कोइ।
ज्यों–ज्यों बूडै स्याम रंग, त्यों–त्यों उज्जलु होइ।। दोहे का भावार्थ लिखिये ।

उत्तर– कवि बिहारी कहते है कि इस अनुरागी मन की गति को कोई भी नहीं जान सकता है। यह जैसे जैसे श्याम रंग (श्रीकृष्ण के प्रेम) में डूबता है अधिक उज्ज्वल (पवित्र) हो जाता है। अर्थात् काले रंग में डूबने पर वस्तु काली होती है परन्तु अनुरागी मन ऐसा नहीं है। अनुरागी मन श्रीकृष्ण के प्रेम में डूबकर और भी अधिक पवित्र बन जाता है।

प्रश्नः– कविवर बिहारी का साहित्यिक परिचय दीजिये।

उत्तर– कवि बिहारी का जन्म ग्वालियर के निकट बसुआ नामक गाँव में हुआ था।यह रीतिकाल के रीतिसिद्ध काव्य धारा के प्रमुख कवि थे। इन्होने सतसई की रचना की। कवि ने भक्ति,नीति,श्रृंगार,प्रकृति चित्रण एवं ज्योतिष ज्ञान पर आधारित रचना कर अक्षय कीर्ति अर्जित की। इनकी रचनाओं में अन्योक्ति, अर्थ गाम्भीर्य,अलंकारिकता तथा कल्पना की समाहार शक्ति का विलक्षण समावेश है।

प्रश्नः– ''बिहारी ने अपने काव्य में गागर में सागर भर दिया है'' कथन पर प्रकाश डालिये ।

उत्तर– इस प्रश्न का उत्तर ऊपर वर्णित प्रश्नोंत्तरों में समाहित है।

वीर रस के कवित्त : भूषण

प्रश्नः– कवि किसकी भुजाओं पर धरती का भार मानता है–
(अ) कछुए की (ब) शेषनाग की (स) शिवाजी की (द) औरंगजेब की (स)

प्रश्नः– ''भनत''शब्द का अर्थ है–
(अ) कविता (ब) कहना (स) सजना (द) खनकना (ब)

प्रश्नः– कवि भूषण किस काल के कवि माने जाते है–
(अ) आदि काल (ब) भक्ति काल (स) रीति काल (द) आधुनिक काल (स)

प्रश्नः– कवि भूषण की सर्वाधिक प्रसिद्व रचना है–

(अ) शिवा बावनी (ब) छत्रशाल दशक (स) शिवराज भूषण (द) भूषण हजारा (स)

प्रश्नः– ''भूषन भनत नाद बिहद नगारन के'' किसके शब्द चारों और गूँज रहे है–

(अ) युद्व के नगाडों के (ब) हाथियों के चिंघाड के (स) सैनिकों की हुँकार के (द) आततायियों के (अ)

प्रश्नः– ''स्याह मुख नौरंग,सिपाह मुख पियरे'' किसका मुख स्याह पड गया–

(अ) शिवाजी का (ब) छत्रशाल का (स) औरंगजेब का (द) राजा रूद्र का (स)

प्रश्नः– भूषण की रचनाओं की विशेषता है–

(अ) राष्ट्रीयता का भावना (ब) वीरता के उद्गार (स) ओज गुण का वैशिष्ट्य (द) उक्त सभी (द)

प्रश्नः– भूषण के संकलित छंदों में कौनसा गुण तथा कौनसा रस है?

उत्तर– कवि भूषण के छंदों में ओजगुण एवं वीररस है।

प्रश्नः– कवि भूषण की दो रचनाओं के नाम लिखिये ।

उत्तर– (1) शिवराज भूषण (2) शिवा बावनी

प्रश्नः– कवि भूषण का वास्तविक नाम क्या था?

उत्तर– कवि भूषण का वास्तविक नाम घनश्याम था।

प्रश्नः– औरंगजेब के अपमानपूर्ण व्यवहार से शिवाजी पर क्या प्रभाव पडा?

उत्तर– औरंगजेब के अपमानपूर्ण व्यवहार से शिवाजी को क्रोध आ गया । उन्होने औरंगजेब को सलाम नहीं किया।

प्रश्नः– ''साजि चतुरंग–सैन अंग में उमंग धारि''उक्त पक्ति में ''चतुरंग–सैन'' का अर्थ क्या है?

उत्तर– चारों अंगों से युक्त सेना–हाथी,घोडे,रथ और पैदल सैनिक।

प्रश्नः– पक्षियों के झुंड पर किसका आधिपत्य रहता है?

उत्तर– पक्षियों के झुंड पर बाज पक्षी का आधिपत्य रहता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्नः– सहस्त्रबाहु पर किसने विजय प्राप्त की?

उत्तर– सहस्त्रबाहु अजेय योद्वा तथा बलशाली था। परशुराम ने जब क्षत्रियों का संहार प्रारम्भ किया तो उसी क्रम में उन्होने सहस्त्रबाहु पर विजय प्राप्त की क्योंकि सहस्त्रबाहु ने परशुराम के पिता जमदग्नि की गाय को बलपूर्वक छीन लिया था।

प्रश्नः– वितुण्ड (हाथी) पर किसका अधिकार होता है?

उत्तर– हाथी विशालकाय होता है। उस पर साहसी एवं शक्तिशाली मृगराज सिंह का अधिकार होता है जिसके सामने कोई भी पशु नहीं टिक पाता है।मृगराज सिंह हाथियों पर आक्रमण कर उन्हे मार देता है।

प्रश्नः– ''तेरे ही भुजानि भूतल को भार'' कवित में कवि द्वारा शिवाजी की क्या विशेषता बतायी गयी है?

उत्तर– उक्त कवित में कवि भूषण ने बताया है कि उचित शासन व्यवस्था एवं प्रजा पालन का भार वहन करने में शिवाजी शेषनाग, हिमालय एवं सूर्य के समान है। मानो प्रजा के भरण पोषण के लिये ही उसका अवतरण हुआ है।वे शत्रुओं का संहार कर देते है।

प्रश्नः– कवि भूषण का साहित्यिक परिचय दीजिये।

उत्तर– कवि भूषण रीतिकाल के प्रसिद्व कवि थे। श्रंगार रस प्रधान काल में भूषण का काव्य वीररसात्मक एवं ओजगुण सम्पन्न है। इनकी रचनाओं में शिवराज भूषण,छत्रसाल दशक,शिवा बावनी,भूषण हजारा,भूषण उल्लास आदि का उल्लेख किया जाता है। जिसमें सर्वाधिक प्रसिद्व रचना शिवराज भूषण अलंकार ग्रन्थ है। इन्होने वीररस के चारों भेदों का सुन्दर समावेश अपने काव्य में किया है। ब्रजभाषा का ओजस्वी रूप इनके काव्य में मिश्रित रूप में दिखाई देता है।

उषा कविता : शमशेर बहादुर सिंह

प्रश्नः– 'उषा' कविता में है–

(अ) सूर्योदय का वर्णन (ब) सूर्यास्त का वर्णन

(स) बादलों का शब्द चित्र (द) सवेरे का लालिमा का वर्णन (द)

प्रश्नः– ''जादू टूटता है उषा का'' में जादू का अर्थ है–

(अ) तमाशा (ब) खेल (स) आकर्षण (द) भोर का सौन्दर्य (स)

प्रश्नः– शमशेर बहादुरसिंह ने उषा कविता में भोर का आकाश किसके समान नीला बताया है–

(अ) बांसुरी (ब) शंख (स) इन्द्र धनुष (द) सूर्य (ब)

प्रश्नः– उषा कविता में शमशेर बहादुरसिंह ने सर्वाधिक प्रयोग किया है–

(अ) प्रतीक (ब) अन्योक्ति (स) ध्वनि बिम्ब (द) शब्द बिम्ब (द)

प्रश्नः– कवि ने लाल केसर कहा है–

(अ) लाल फूलों को (ब) सिल के रंग को (स) केसर की क्यारी को (द) उषा की लालिमा को (द)

प्रश्नः– उषा कविता की विशेषता है–

(अ) अलंकार योजना (ब) भाषा शैली (स) नवीन बिम्ब योजना (द) उपरोक्त सभी (स)

प्रश्नः– उषा कविता में कवि ने स्लेट कहा है–

(अ) धरती को (ब) चौके को

(स) भोर के आकाश को (द) बच्चों के लिखने के स्लेट को (स)

प्रश्नः– उषा का जादू टूटने का क्या तात्पर्य है?

उत्तर– उषाकाल में जो प्राकृतिक सौन्दर्य एवं आकर्षण होता है वह सूर्योदय के बाद समाप्त हो जाता है।

प्रश्नः– कवि ने नभ को राख से लीपा हुआ चौका क्यों कहा है?

उत्तर– भोर के समय कुछ धुंधलापन तथा कुछ हल्का प्रकाश देखने पर राख जैसा तथा कुछ नमी रहने से उसे राख से लीपा हुआ चौका बताया है।

प्रश्नः– प्रातःकालीन नभ के लिये कवि ने किन किन उपमानों का प्रयोग किया है?

उत्तर– प्रातःकालीन नभ के लिये कवि ने निम्न उपमानों का प्रयोग किया है–

1. नीला शंख 2. राख से लीपा चौका

ये उपमान सर्वथा नवीन है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्नः– उषा कविता की प्रमुख शिल्पगत विशेषता क्या है?

उत्तर– उषा कविता में कवि ने परम्परा से हटकर प्राकृतिक परिवेश का वर्णन नवीन उपमानों द्वारा किया है। उषा काल को रूपक एवं उपमा द्वारा पल पल बदलते आकर्षक दृश्य का बिम्ब सुन्दर शब्द चित्रों से उकेरा गया है। इसमें शब्दावली सरल,सुबोध एवं भावानुरूप प्रयुक्त हुई है।

प्रश्नः– उषा कविता का मूल भाव एवं प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिये।

उत्तर– उषा कविता का मूल भाव भोर के प्राकृतिक सौन्दर्य के पल पल बदलते स्वरूप से परिचित कराना है। कवि प्रातःकालीन सूर्य का स्वयं मूकदृष्टा है तथा सभी को नवीन बिम्ब योजना के माध्यम से नव जागरण के साथ प्रकृति से जुडने की प्रेरणा देता है।

प्रश्नः– ''भाषा, बिम्ब और लय का अद्भुत संयोग कवि शमशेर बहादुर सिंह की कविता 'उषा' में लक्षित होता है''– इस कथन के आधार पर कवि द्वारा लिये गये नवीन उपमानों को स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर– कवि शमशेर बहादुर सिंह द्वारा प्रातःकालीन आकाश के लिये नीला शंख, राख से लीपा हुआ चौका, लाल केसर से धुली काली सिल, स्लेट पर लाल खडिया और नील जल में झिलमिलाती गौर देह आदि नवीन उपमान प्रस्तुत किये है।

प्रश्नः– ''उषा कविता'' में कवि ने प्रातःकालीन सूर्योदय के जीवन्त परिवेश का चित्रण किया है, कैसे? स्पष्ट कीजिये।

उत्तर– प्रश्न का उत्तर ऊपर वर्णित प्रश्नों में समाहित है।

प्रश्नः– कवि शमशेर बहादुरसिंह का साहित्यिक परिचय दीजिये ।

उत्तर– प्रयोगवादी एवं बिम्ब धर्मी के कवि के रूप में प्रसिद्व शमशेर बहादुर सिंह का जन्म देहरादून में सन् 1911 ई.में हुआ था ।इनकी रचनाओं में शिल्प एवं बिम्ब विधा का अनूठा संगम मिलता है।मार्क्सवादी चेतना से प्रभावित कवि 'तारसप्तक' एवं नयी कहानी आन्दोलन से भी जुडे रहे । इन्होने उर्दू–हिन्दी कोष का संपादन भी किया । इनकी प्रमुख रचनाये निम्न है– कुछ कविताएँ ,कुछ और कविताएँ, चुका भी नहीं हूँ मैं, इतने पास अपने, बात बोलेगी तथा काल तुझसे होड़ है मेरी।

गद्य खण्ड

'भय' (निबन्ध) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

प्रश्नः– ''कल तुम्हारे हाथ पाँव टूट जायेंगे'' ऐसा वाक्य सुनकर क्या अनुभूत होगा?

(अ) क्रोध (ब) भय (स) निराशा (द) उत्साह (ब)

प्रश्नः– दुःख या आपति का पूर्ण निश्चय न होने पर कौनसा मनोभाव उत्पन्न होता है–

(अ) भय (ब) क्रोध (स) लज्जा (द) आशंका (अ)

प्रश्नः– भय जब स्वभावगत हो जाता है,तब कहलाता है–

(अ) कायरता (ब) भीरूता (स) रूग्णता (द) अ एवं ब दोनो (द)

प्रश्नः– आपत्ति का पूर्ण निश्चय न रहने पर उसकी संभावना मात्र के अनुमान से जो आवेग शून्य भय होता है उसे कहा जाता है–

(अ) आशंका (ब) दुःख (स) क्रोध (द) भय (अ)

प्रश्नः– धर्म से डरने वालों की अपेक्षा धर्म की ओर आकर्षित होने वाले व्यक्ति को लेखक कैसा मानता है–

(अ) निडर (ब) निर्भय (स) धन्य (द) चतुर (स)

प्रश्नः– लेखक के अनुसार जंगली जातियों में किसकी अधिकता पाई जाती है–

(अ) शिकार (ब) आशा (स) भय (द) क्रोध (स)

प्रश्नः– ''अब मनुष्यों के दुःख का कारण मनुष्य ही है'' आचार्य शुक्ल के ऐसा मानने का मुख्य कारण क्या है–

(अ) समाज में शिक्षा के असमान अवसर (ब)मनुष्यों में सामाजिकता का अभाव

(स) सभ्यता के विकास के कारण मनुष्य का छद्म आचरण (द) मनुष्यों के घमण्ड की प्रवृति (स)

प्रश्नः– आचार्यशुक्ल के अनुसार भय है–

(अ) अनिष्ठ के निश्चय से उत्पन्न दुःख (ब) अचानक उत्पन्न परिस्थिति

(स) समाज के विरोध से उत्पन्न क्लेश (द) मृत्यु की पल पल आशंका (अ)

प्रश्नः– मानव जीवन के कौनसे प्रेरक होते है जिनसे लोक कल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्वि होती है?

उत्तर– भाव या मनो विकार।

प्रश्नः– भय किसे कहते है?

उत्तर– किसी आपदा की भावना या दुःख के कारण एक प्रकार के आवेग पूर्ण अथवा स्तम्भकारक मनोविकार को भय कहते है।

प्रश्नः– भय भीरूता में कब बदल जाता है?

उत्तर– भय जब स्वभावगत हो जाता है तब कायरता या भीरूता में बदल जाता है।

प्रश्नः– क्रोध एवं भय में क्या अन्तर है?

उत्तर– दुःख के कारण का निवारण करने वाला भाव क्रोध होता है जबकि दुःख की पहुँच से बाहर रहने वाला स्तम्भकारक भाव भय होता है।

प्रश्नः– भय के कितने रूप होते है?

उत्तर– भय के दो रूप होते है–

1. असाध्य रूप–जिसका किसी प्रयत्न द्वारा निवारण असंभव हो।

2. साध्य रूप– जिसे प्रयत्न द्वारा दूर किया जा सकता है।

प्रश्नः– भय साध्य कब बन सकता है?

उत्तर– जब व्यक्ति को भय के कारण का ज्ञान हो जाता है और वह उस कारण से बचने का प्रयास करता है।

प्रश्नः– किन लोगों को भय अधिक लगता है और क्यो?

उत्तर– जंगली, असभ्य जातियों तथा अशिक्षित लोगों को भय अधिक लगता है क्योंकि अज्ञानवश उनमें अपनी असुरक्षा की भावना अधिक रहती है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्नः– आशंका और भय में अन्तर स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर– दुःख या आपत्ति का पूर्ण निश्चय न रहने पर उसकी संभावना मात्र के अनुमान से जो आवेगशून्य भय होता है, उसे आशंका कहते है। इसमें भय की आकुलता नहीं होती है।घने जंगल से जाता हुआ यात्री चाहे रास्ते भर इस आशंका में रहे कि कहीं चीता नहीं मिल जाये, फिर वह बराबर चलता रहता है। यदि उसे असली भय हो जायेगा तो वह या तो लौट जायेगा या एक पैर आगे न रखेगा।

प्रश्नः– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय दीजिये।

उत्तर– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का जन्म सन् 1886 ई. में हुआ। शुक्ल हिन्दी साहित्य सर्वोत्कृष्ट गद्यकार है।वे मूलतः आलोचक एवं विचारक थे। उनका 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' अत्यन्त प्रामाणिक ग्रन्थ है। हिन्दी शब्दसागर ,भ्रमरगीतसार, जायसी ग्रन्थावली , तुलसी साहित्य आदि ग्रन्थों का संपादन किया है। प्रौढ निबन्धों का संग्रह चिंतामणि भाग एक एवं दो प्रकाशित हुआ जिसमें चिंतामणि भाग एक पर उन्हे 'मंगला प्रसाद पारितोषिक' प्राप्त हुआ।

प्रश्नः– मनुष्य के भय की वासना का परिहार कैसे होता है?

उत्तर– इस प्रश्न का उत्तर ऊपर वर्णित प्रश्नोंत्तरों में समाहित है।

शेखावाटी मिशन–100

बाजार दर्शन : जैनेन्द्र कुमार

प्रश्नः– लेखक ने बाजार की असली कृतार्थता बताई हैः–

(अ) अभाव जागृत करना (ब) आवश्यकता के समय काम आना

(स) अधिकाधिक धन कमाना (द) अनाप शनाप सामान खरीदना (ब)

प्रश्नः– भगत जी ने कभी चूरन बेचकर छह आने से ज्यादा नहीं कमाये क्योंकि–

(अ) उनका चूरन और अधिक नहीं बिकता था (ब) वे आधुनिक मार्केटिंग नहीं जानते थे

(स) इससे अधिक परिश्रम वे नहीं कर सकते थे (द) वे संतोषी थे इसलिये और अधिक नहीं कमाना चाहते थे (द)

प्रश्नः– बाजार में एक जादू है यहां जादू शब्द का अर्थ है–

(अ) दिखावा (ब) सौन्दर्य (स) आकर्षण (द) संतुष्टि (स)

प्रश्नः– लेखक द्वारा लिखित निबन्ध बाजार दर्शन में बाजार के जादू का प्रभाव किस पर नहीं पडा–

(अ) लेखक (ब) मित्र (स) पत्नी (द) भगत जी (द)

प्रश्नः– लेखक के अनुसार बाजार का आमंत्रण कैसा होता है–

(अ) इच्छा रहित (ब) आग्रह रहित (स) द्वेष रहित (द)घृणा रहित (ब)

प्रश्नः– लेखक के अनुसार बाजार असली कृतार्थता है–

(अ) जमकर खरीददारी करना (ब) जो मिले उसे खरीद लेना

(स) आवश्यकता के सामान को खरीदना (द) अनावश्यक खरीददारी (स)

प्रश्नः– लेखक के अनुसार बाजार का जादू चलता है–

(अ) जेब भरी हो और मन खाली हो (ब) जेब खाली हो मन भरा हो

(स) अ एवं ब दोनो (द)इनमें से कोई नहीं (अ)

प्रश्नः– बाजार दर्शन निबन्ध के अनुसार''शून्य होने का अधिकार परमात्मा को ही है।'' क्योंकि वह–

(अ) राग द्वेष रहित है (ब) कामनाओं से मुक्त है (स) सर्व सनातन है (द) उपरोक्त सभी (द)

प्रश्नः– लेखक के अनुसार बाजार का जादू किस राह काम करता है?

उत्तर– लेखक के अनुसार बाजार का जादू आँखों की राह काम करता है क्योंकि ग्राहक आँखों से सुन्दर वस्तुओं को देखकर आकर्षित होकर उनको खरीद लेता है।

प्रश्नः– चूरन वाले भगत जी के जीवन से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर– चूरन वाले भगत जी से हमें जरूरत से ज्यादा चीजें न खरीदने तथा आवश्यकता से ज्यादा धनोपार्जन न करने की शिक्षा मिलती है।

प्रश्नः– ''पैसा पावर है।'' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

उत्तर– लेखक ने पैसे को पावर इसलिये कहा है क्योंकि वह क्रय शक्ति को बढावा देता है।

प्रश्नः– बाजार का बाजारूपन से क्या आशय है?

उत्तर– लोगों को विज्ञापनों से प्रभावित कर अनावश्यक चीजों को खरीदने के लिये लालायित करना बाजार का बाजारूपन है।

प्रश्नः– लेखक के अनुसार कोई अपने को न जाने तो चौक बाजार मनुष्य पर क्या असर डालता है?

उत्तर– असंतोष ,तृष्णा और ईर्ष्या से घायल कर मनुष्य को सदा के लिये बेकार बना डाल सकता है।

लघूतरात्मक प्रश्न

प्रश्नः– हमें बाजार से वस्तुएं खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिये?

उत्तर– हमें बाजार जाने से पहले अपनी जरूरत का अच्छी तरह से पता कर लेना चाहिये। जरूरत से ज्यादा खरीददारी नहीं करनी चाहिये। हमें बाजार की चकाचौंध से बचना चाहिये तथा अपनी क्रय शक्ति का प्रदर्शन नहीं करना चाहिये।

प्रश्नः– बाजार दर्शन पाठ का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिये।

उत्तर– कई दशक पहले लिखा गया यह लेख वर्तमान में भी उपभोक्तावाद व बाजारवाद को समझाने में बेजोड है। यदि हम अपनी आवश्यकता को ठीक ठीक समझकर बाजार का उपयोग करें तो उसका लाभ उठा सकते है। इसके विपरीत बाजार की चमक दमक में फँसने के बाद हम असंतोष, तृष्णा, ईर्ष्या से घायल होकर सदा के लिये बेकार हो सकते है।

प्रश्नः– बाजार दर्शन निबन्ध के आधार पर चूरन वाले भगत जी की प्रमुख विशेषतायें लिखिये।

उत्तर– निबन्ध के आधार पर भगत जी की प्रमुख विशेषतायें निम्न है–

1. संतोषी–वह अपनी कम कमाई से संतुष्ट रहते है। छह आने की कमाई होते ही चूरन बच्चों को मुत में बाँट देते है।

2. लोभहीन– भगत जी लालची स्वभाव के नहीं है। वे व्यापार को शोषण का जरिया नहीं मानते है।

3. तृष्णा से मुक्त –वे तृष्णा से मुक्त है।उनमें संग्रह की भावना नहीं है। जीवनयापन के लिये जितना पैसा आवश्यक है उतना ही कमाना चाहते है।

प्रश्नः– ''बाजार एक जादू है।''इस कथन को बाजार दर्शन के अध्याय के आधार पर स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर– प्रश्न का उत्तर ऊपर वर्णित प्रश्नों में समाहित है।

प्रश्नः– जैनेन्द्र कुमार का साहित्यिक परिचय लिखिये।

उत्तर– जैनेन्द्र कुमार को हिन्दी का मनोवैज्ञानिक कथा साहित्य का जन्मदाता कहा जाता है।उन्होने हिन्दी उपन्यास और कहानियों को नई दिशा दी। वे गांधीवादी विचारधारा से प्रभावित थे। इन्हें मुंशी प्रेमचन्द ने भारत का गोर्की कहा है।

इनकी प्रमुख रचनायें– परख, अनाम स्वामी, सुनीता, त्यागपत्र, जयवर्धन और मुक्तिबोध इनके प्रमुख उपन्यास है।

वातायन, एक रात, दो चिडिया, फाँसी, नीलम देश की राजकन्या तथा पाजेब इनके कहानी संग्रह है।

प्रस्तुत प्रश्न, जड की बात, साहित्य का श्रेय और प्रेय तथा सोच विचार इनके प्रमुख निबन्ध संग्रह है।

ठेले पर हिमालयः–धर्मवीर भारती

प्रश्नः– नैनीताल से कोसी जाने वाली सडक को लेखक ने कैसी बताया–

(अ) सुन्दर साफ व आरामदायक (ब) सीधी व सपाट

(स) ऊँची व मजेदार (द) ऊबड खाबड और कष्टप्रद (द)

प्रश्नः– शुक्ल जी के साथ एमिला जोला–सी दाढी वाला युवक कौन था–

(अ) कवि (ब) चित्रकार (स) लेखक (द) संगीतकार (ब)

प्रश्नः– धर्मवीर भारती द्वारा रचित ''ठेले पर हिमालय'' निबन्ध में लेखक ने किसका चित्रण किया है–

(अ) बस यात्रा का (ब) प्राकृतिक सौन्दर्य का (स) भावनाओं का (द) त्रिताप का (ब)

प्रश्नः– ठेले पर लदी बर्फ की सिल्लियाँ लेखक को किस के समान लग रही थी–

(अ) कश्मीर के समान (ब) अल्मोडा के समान (स) हिमालय के समान (द) कौसानी के समान (स)

प्रश्नः– लेखक ने अपने उपन्यासकार मित्र के साथ कहाँ की बस यात्रा की–

(अ) नैनीताल (ब) रानीखेत (स) मझकाली (द) उपरोक्त सभी (द)

प्रश्नः– लेखक ने अपने निबन्ध का शीर्षक ''ठेले पर हिमालय'' क्यों रखा–

(अ) हिमालय की स्मृति में (ब) मित्र के आग्रह पर

(स) ठेले पर लदी बर्फ की सिल्लियाँ देखकर (द) इनमें से कोई नहीं (स)

प्रश्नः– सूरज डूबने के बाद लेखक को हिमालय कैसा प्रतीत हुआ–

(अ) अग्नि के समान (ब) कमल के फूलों के समान (स) पिघलती चाँदी के समान (द)उपरोक्त सभी (ब)

प्रश्नः– लेखक का मित्र ठेले पर बर्फ देखकर खोया खोया सा क्यों हो गया था?

उत्तर– लेखक का मित्र ठेले पर बर्फ देखकर हिमालय की प्राकृतिक छटा का स्मरण करने से खोया खोया सा हो गया।

प्रश्नः– लेखक ने किससे मिलने पर यह कहा कि उन जैसा साथी तो सफर में पिछले जन्म के पुण्यों से ही मिलता है?

उत्तर– लेखक ने शुक्ल जी से मिलने पर कहा कि उन जैसा साथी तो सफर में पिछले जन्म के पुण्यों से ही मिलता है?

प्रश्नः– लेखक की सारी निराशा और खिन्नता कब दूर हुई?

उत्तर– जब लेखक ने हिमालय के शिखरों पर जमी बर्फ को देखा तो उनके मन की सारी खिन्नता और निराशा दूर हो गई।

प्रश्नः– कौसानी नामक स्थान कहाँ पर है?

उत्तर– कौसानी नामक स्थान सोमेश्वर घाटी के उत्तर दिशा में जो ऊँची पर्वतमाला है उसी के शिखर पर बसा हुआ है।

प्रश्नः– कौसानी जाते समय लेखक के चेहरे पर अधैर्य,असंतोष तथा क्षोभ क्यों झलक उठा था?

उत्तर– लेखक को बताया गया था कि कौसानी बहुत सुन्दर स्थान है। कष्टप्रद , टेढे मेढे रास्ते देखकर तथा बर्फ का नामोंनिशान न पाकर लेखक के मन में अधैर्य , क्षोभ और असंतोष पैदा हो गया ।

प्रश्नः– डॉ.भारती और उनके साथी कौसानी क्यों गये थे?

उत्तर– डॉ.भारती और उनके साथी बर्फ को नजदीक से देखने के लिये ही कौसानी गये थे।

लघूत्ततरात्मक प्रश्न–

प्रश्नः– लेखक ने कौसानी गाँव में डूबते सूर्य का जो वर्णन किया है उसे अपने शब्दों में लिखिये।

उत्तर– सूरज ढल रहा था दूर स्थित शिखरों पर दर्रे , ग्लेशियर ,ढाल तथा घाटियाँ कुछ धुँधली दिखाई दे रही थी। ग्लेशियरों की बर्फ केसर के समान पीली दिखाई दे रही थी। पर्वत शिखरों पर जमी बर्फ कमल के समान प्रतीत हो रही थी। कौसानी की घाटियाँ भी पीली दिखाई दे रही थी।

प्रश्नः– त्रिताप कौनसे होते है ? हिमालय की शीतलता से वे कैसे दूर हो गये?

उत्तर– त्रिताप अर्थात् कष्ट तीन प्रकार के होते है–दैहिक, दैविक और भौतिक। ये त्रिताप मनुष्य को कष्ट देते है तथा ईश्वर की कृपा से इनसे शांति मिलती है। लेखक को जब हिमालय के दर्शन हुये तो उसके मन की खिन्नता ,थकान, अन्तर्द्वन्द्व आदि सब नष्ट हो गये थे।

प्रश्नः– लेखक ने कौसानी की तुलना स्विट्जरलैण्ड से क्यों की है?

उत्तर– स्विट्जरलैण्ड अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के लिये प्रसिद्ध रहा है। लाखों लोग वहाँ पर्यटक के रूप में जाते है।धर्मवीर भारती ने जब कौसानी में हिममण्डित पर्वत शिखरों और वनस्पति सौन्दर्य के दर्शन किये तो वह मुग्ध सा रह गया।उसे कौसानी की घाटी इतनी सुकुमार, सुन्दर और सुशोभित लगी कि वह उस भूमि पर जूते पहने हुये चलने से हिचक गये। इसी कारण लेखक ने कौसानी की तुलना स्विट्जरलैण्ड से की है।

तौलियेः– उपेन्द्रनाथ अश्क

प्रश्नः– 'स्वच्छता बुरी नहीं पर तुम तो हर चीज को सनक की हद तक पहुँचा देती हो और सनक से मुझे चिढ है।' यह किसने किससे कहा–

(अ) मधु ने मंगला से (ब) मधु ने वसंत से (स) वसंत ने मधु से (द) मधु ने सुरो से (स)

प्रश्नः– तौलिये एकांकी का केन्द्रीय विषय क्या है–

(अ) सफाई (ब) प्रेम (स) पति पत्नी का मतभेद (द) इनमें से कोई नहीं (अ)

प्रश्नः– ''ओह! कमबख्त तौलिये! मुझे ध्यान ही नहीं रहता'' वसंत के इस वाक्य में किस प्रकार के भाव छिपे है–

(अ) क्रोध (ब) लापरवाही (स) घृणा (द) उदासी (ब)

प्रश्नः– सुरो और चिंती कौन थी–

(अ) मधु की पडोसन (ब) मधु की सहेंलिया (स) मधु की ननद (द) मंगला की बहिन (ब)

प्रश्नः– तौलिये एकांकी में आये पात्रों के नाम लिखिये।

उत्तरः– तौलिये एकांकी के पात्र निम्नलिखित है– वसंत ,चिंती, मधु, मंगला और सुरो।

प्रश्नः– सुरो और चिंती दिल्ली में कहाँ ठहरी थी?

उत्तरः– सुरो और चिंती कनॉट पैलेस में मलिक चाचा के घर ठहरी थी।

प्रश्नः– वसंत–मधु की नोंकझोक के दरमियान फोन पर साहब ने वसंत को क्या आदेश दिया?

उत्तरः– वसंत को साहब ने कार्यालयी काम से बनारस जाने का आदेश दिया।

प्रश्नः– वसंत ने मधु को जीवन का रहस्य क्या बतलाया?

उत्तरः– वसंत ने बताया कि साफ सफाई ,नजाकतें और बाहरी तडक भडक की अपेक्षा सेहत पर ध्यान देना ही जीवन का रहस्य है।

प्रश्नः– मधु के अनुसार संस्कृति किसे कहते है?

उत्तरः– मानव की आधारभूत भावनाओं पर नित्य नये दिन चढते चले जाने वाले पर्दो का नाम ही संस्कृति है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्नः– ''जीवन का भेद बाह्य तड़क भड़क मे नहीं, अन्तर की दृढता में है।''इस कथन के आधार पर वसंत की दो चारित्रिक विशेषताये लिखिये।

उत्तरः– 1. वसंत जीवन में स्वच्छता का समर्थक है। उसे बनावटीपन जीवन पसंद नहीं है। सफाई की सनक से चिढ है।
2. वसंत यथार्थवादी है। जीवन की सच्चाई से भागनेवाला नहीं है।

प्रश्नः– तौलिये एकांकी से क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तरः– एकांकी से शिक्षा मिलती है कि व्यक्ति को साफ सफाई का ध्यान रखना चाहिये परन्तु उसकी सनक होना ठीक नहीं है। सब कार्य सफाई से करे, घर में स्वच्छता रखें परन्तु सफाई को लेकर दिखावा ना करें जिससे घर परिवार की सुख शांति समाप्त हो जाये।

प्रश्नः– तौलिये एकांकी में आधुनिक जीवन की किन विसंगतियों का चित्रण हुआ है?

उत्तरः– तौलिये एकांकी में आधुनिक शहरी मध्यम वर्गीय सभ्य एवं शिक्षित कहलाने वाले समाज की आडम्बरप्रियता, अन्धानुकरण की प्रवृति, स्वयं को कुछ अधिक मानने की प्रवृति तथा कृत्रिम दिखावे की आदत आदि विसंगतियों का चित्रण हुआ है।

प्रश्नः– ''तौलिये एकांकी सफल अभिनय है''स्पष्ट कीजिये।

उत्तरः– तौलिये एकांकी में अभिनेयता के सभी गुणों का अच्छा समावेश हुआ है। इसके संवाद संक्षिप्त ,सरल, संप्रेषणीय और नाटकीयता से परिपूर्ण है।सारा कथानक एक ही अंक में रखा गया है। इसमें पात्र भी कम है तथा संकलन त्रय अर्थात् कार्य ,काल, स्थान की एकता का निर्वाह किया गया है। इस आधार पर देखा जाये तो तौलिये एकांकी में रंगमंच का पूरा ध्यान रखा गया है।

ममताः जयशंकर प्रसाद

प्रश्नः– ''ममता'' कहानी की केन्द्रीय पात्र ''ममता'' कौन थी–

(अ) रोहतास दुर्गपति की दुहिता (ब) शेरशाह के मंत्री की पुत्री

(स) रोहतास दुर्गपति के मंत्री की दुहिता (द) हुमायूँ के दुहिता (अ)

प्रश्नः– चूडामणि द्वारा स्वर्णथाल उपहार में प्रस्तुत करने पर ममता ने क्या कहा–

(अ) विपदा के समय काम आयेगा (ब) इतना सोना पाकर मैं धन्य हो गई

(स) तो क्या अपने म्लेच्छ का उत्कोच स्वीकार लिया (द) इस स्वर्ण को रखने के लिये मेरे पास स्थान नहीं है (स)

प्रश्नः– रोहिताश्व दुर्ग पर कौन आक्रमण करने वाला था–

(अ) शेरशाह (ब) हुमायूँ (स) अकबर (द) औरंगजेब (अ)

प्रश्नः– चूडामणि किस बात से व्यथित थे–

(अ) शेरशाह के आक्रमण से (ब) मन्त्री पद छिनने की आशंका से

(स) मृत्यु के डर से (द) स्नेहपालिता पुत्री के दुःखों को लेकर (द)

प्रश्नः– जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित 'ममता' कहानी रचना है–

(अ) नायिका प्रधान (ब) चरित्र प्रधान (स) आदर्शवादी (द) उक्त सभी (द)

प्रश्नः– कहानी के आधार पर 'ममता' की विशेषता है–

(अ) निर्लोभी (ब) विचारशील (स) कष्ट सहिष्णु (द) उक्त सभी (द)

प्रश्नः– शेरशाह ने किस युद्ध में हुमायूं को पराजित किया था?

उत्तरः– चौसा के युद्ध में।

प्रश्नः– किस बादशाह ने ममता की झोंपड़ी के स्थान पर अष्टकोण मन्दिर बनवाया?

उत्तरः– बादशाह अकबर ने।

प्रश्नः– ममता कब अपनी मूर्खता को कोसने लगी?

उत्तरः– प्रभात होते ही सैंकड़ो अश्वारोही सैनिक उस प्रान्त में अपने बादशाह की खोज में घूमते हुये दिखाई दिये तब ममता स्वयं को कोसने लगी।

प्रश्नः– कितने वर्षों बाद अकबर के सैनिक ममता की झोंपड़ी के पास आये थे?

उत्तर– लगभग 47 वर्षों के बाद।

प्रश्नः– ममता कहानी में भारतीय संस्कृति के किन किन मूल्यों को उभारा गया है?

उत्तरः– ममता कहानी में भारतीय संस्कृति के निम्न मूल्यों को उभारा गया है–

1. शरणागत की सहायता करनी चाहिये।
2. विपदाग्रस्त को आश्रय देना।
3. उत्कोच या रिश्वत नहीं लेनी चाहिये।
4. सहनशीलता ,संतोष,त्याग आदि गुणों को अपनाना चाहिये।
5. दीन–दुःखियों पर दया करनी चाहिये।

प्रश्नः– ममता कहानी में जयशंकर प्रसाद ने भारतीय नारी के किन गुणों का चित्रण किया है?

उत्तर– प्रसाद जी ने भारतीय नारी के त्याग , स्वाभिमान ,शरणागत की रक्षा करना, देशप्रेम,सेवाभाव , अतिथि सत्कार, कर्तव्यनिष्ठा आदि गुणों का चित्रण किया है।

प्रश्नः– ममता कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिये।

उत्तर– ममता कहानी का उद्देश्य मानवीय संवेदनाओं के साथ भारतीय नारी के आदर्शों को प्रतिष्ठित करना रहा है। कहानी की प्रमुख पात्र ममता विधवा तथा अनाश्रित होते हुये उत्कोच के रूप में स्वर्ण मुद्रायें स्वीकार नहीं करती है तथा अपने आत्म गौरव , जातीय स्वाभिमान तथा सेवा भाव का परिचय देकर शरणागत की रक्षा करने का दायित्व निभाती है। उसमें त्याग ,सेवाभाव ,करूणा तथा कर्तव्यपरायणता की भावना दर्शायी गई है।

प्रश्नः– ममता कहानी के कथानक की कोई दो विशेषतायें लिखिये।

उत्तर– इस कहानी के कथानक की दो विशेषताये निम्न है–

1. इस कहानी का कथानक इतिहास पर आधारित है तथा कहानीकार ने कल्पना का भी सहारा लिया है।
2. कहानी का कथानक अत्यन्त रोचक एवं सुसंगठित है। इसमें वर्णित सभी घटनाये मौलिक है।

शेखावाटी मिशन–100

''उसने कहा था'' – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

प्रश्नः– ''कयामत आई है और लपटन साहब की वर्दी पहन कर आई है ''– उसने कहा था कहानी के अनुसार ये कथन किसने कहा ?
(अ) वजीरासिंह (ब) बोधासिंह (स) सूबेदार हजारासिंह (द) लहनासिंह (द)

प्रश्नः– उसने कहा था कहानी मे पलटन का विदूषक किसे बताया गया है ?
(अ) हजारासिंह (ब) बोधासिंह (स) लहनासिंह (द) वजीरासिंह (द)

प्रश्नः– लहना सिंह व सूबेदारनी होरां बचपन में कहां के बाजार में एक दुकान पर मिलते है ?
(अ) अमृतसर (ब) जालंधर (स) कश्मीर (द) पटियाला (अ)

प्रश्नः– ''उसने कहा था'' कहानी मे किस प्रकार के दृश्य का वर्णन नहीं किया गया है ?
(अ) बालक–बालिका का बालसुलभ निश्छल प्रेम (ब) महायुद्व का वातावरण
(स) लहनासिंह के आत्मोत्सर्ग का वर्णन (द) द्वितीय विश्वयुद्व की घटनाएं (द)

प्रश्नः– ''उसने कहा था'' कहानी का प्रकाशन वर्ष है ?
(अ) 1915 ई. (ब) 1910 ई. (स) 1918 ई. (द) 1920 ई. (अ)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्नः– ''उसने कहा था'' यहां उसने शब्द से किसकी ओर संकेत किया गया है?
उत्तरः– यहां 'उसने' शब्द से सूबेदारनी की ओर संकेत किया गया है।
प्रश्नः– लपटन साहब लहनासिंह के साथ रेजीमेंट में कितने सालों से था?
उत्तरः– पांच सालों से।
प्रश्नः– जमादार लहनासिंह के चरित्र की दो विशेषताएं लिखिए?
उत्तरः– (1) वादे का पक्का (2) देशभक्त की भावना से पूरित।
प्रश्नः– लहनासिंह सात दिन की छुट्टी लेकर घर क्यों जाता है?
उत्तरः– जमीन के मुकदमें की पैरवी करने के लिए।
प्रश्नः– तेरी कुड़माई हो गई? कथन में निहित भाव है?
उत्तरः– निश्छल प्रेम।
प्रश्नः– ''आठ नहीं दस लाख। एक–एक अकालिया सिख सवा लाख के बराबर होता है चले जाओ'' यह वाक्य किसने कहा था?
उत्तरः– लहनासिंह ने वजीरासिंह से।
प्रश्नः– लहनासिंह ने सूबेदार से सूबेदारनी को क्या कहने को कहा ?
उत्तरः– लहनासिंह ने सूबेदार से सूबेदारनी के लिए कहा कि मुझसे उसने जो कहा था वह मैने कर दिया।
प्रश्नः– बोधासिंह कौन था ?
उत्तरः– सूबेदार हजारासिंह का बेटा।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न– ''लपटन साहब या तो मारे गये है या कैद हो गये है।'' लहना सिंह को यह आशंका किस कारण से हुई ?
उत्तर– जब लपटन साहब की वर्दी पहनकर कोई जर्मन भेदिया उसके पास आया तो उसके द्वारा दिये गये आदेश, दी गई सिगरेट तथा उससे हुए वार्तालाप के आधार पर उसे पहचानते ही लहना सिंह को यह आशंका हुई।
प्रश्न– ''उसने कहा था'' कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर– उसने कहा था कहानी का उद्देश्य निश्छल और पवित्र प्रेम तथा त्याग और बलिदान को उजागर करना है, साथ ही कर्तव्य की भावना को दिखाया गया है। चरित्र की दृढ़ता, निश्छल प्रेम, भारतीय नारीत्व तथा तात्कालीन स्थितियों को उजागर करना भी कहानी का मुख्य उद्देश्य रहा है।
प्रश्न– लहना सिंह ने बोधा सिंह की देखभाल किस प्रकार की ?
उत्तर– बोधा सिंह के बीमार हो जाने पर लहना सिंह ने उसे सर्दी के बचाने के लिये अपने दोनों कम्बल उढ़ा दिये और रातभर सिंगड़ी के सहारे उसकी जगह पर स्वयं पहरा देता रहा। अपनी गर्म जर्सी बोधा सिंह को पहनाकर उसे लकड़ी के तख्तो पर सुलाकर स्वयं उसकी देखभाल करता रहा।
प्रश्न– ''बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही'' कथन की युक्ति–युक्त विवेचना कीजिए।
उत्तर– यह कथन घोड़े और सिपाही के संबंध में सर्वथा सही है क्योंकि बिना घोड़े को चलाए और बिना सिपाही के लड़े, इन दोनों से नीरसता, सुस्ती और आलस्यपन आ जाता है। अतः घोड़े का चलना और सिपाही या युद्ध में लड़ाई करना उनके जोश, शक्ति एवं पराक्रम का सूचक माना जाता है।

शेखावाटी मिशन–100

निबंधात्मक प्रश्न

प्रश्न– उसने कहा था कहानी प्रेरणाओं से भरपूर गद्य विद्या है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– उसने कहा था कहानी पाठक को निम्न बिन्दुओं से प्रेरणा देती है–

1. लहना सिंह ने जिस तरह निश्छल प्रेम के लिये आत्मोत्सर्ग दिखाया है वैसे हमें भी आदर्श प्रेम की भूमिका निभानी चाहिए।
2. वचनबद्धता का पूरा पालन प्राण–प्रण से करना चाहिए।
3. अपने कर्तव्य के पालन हेतु हमेशा सजग रहना चाहिए।
4. शत्रुपक्ष के भेदियों से सावधान रहकर उन्हे यथासम्भव दण्डित करने का प्रयास करना चाहिए।
5. लहना सिंह की तरह आदर्श प्रेम एवं देश रक्षा की खातिर प्राणो का त्याग भी करना पड़े तो अवश्य करना चाहिए।
6. लहना सिंह स्वयं परेशानी को सहन करता हुआ बोधा सिंह का हरतरह से ख्याल रखता है, जो पाठक को समर्पण भावना से अवगत कराता है।

प्रश्न– ''मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है।'' उसने कहा था कहानी के आधार पर पंक्ति के आशय को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– उसने कहा था कहानी का नायक लहना सिंह मरणासन्न स्थिति में बड़बड़ाने लगता है। उस समय उसे अपनी किशोरावस्था को लेकर अब तक की सभी घटनाएँ स्मृति में आ जाती है। सभी स्मृतियाँ उसे एक क्रम के अनुसार याद आने लगती है। वह अपने भतीजे कीरत सिंह के साथ हुई बातचीत का भी स्मरण करता है, इस प्रकार स्पष्ट होता है कि मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है। जन्मभर की घटनाएं एक–एक करके सामने आती है। सारे दृश्यों के रंग साफ होते है। समय की धुन्ध बिल्कुल उन पर से हट जाती है।

सत्य के प्रयोग–मोहनदास करमचंद गांधी

प्रश्नः– ''उत्तम आहार नीति '' पुस्तक के लेखक कौन है ?

(अ) हावर्ड विलियम्स (ब) महात्मा गांधी (स) डॉ. एलिन्सन (द) डॉ. बेल (अ)

प्रश्नः– खादी का जन्म अंश के अनुसार बुनकर सारा कपड़ा विलायती सूत का ही क्यों बुनते थे ?

(अ) स्थानीय सूत उपलब्ध नही था। (ब) कर्मचारियों का अभाव था।

(स) मिलें महीन सूत नही कातती थी। (द) करधे का अनुभव नही था (स)

प्रश्नः– कालेलकर को शांति निकेतन में किस नाम से बुलाया जाता था ?

(अ) नेता (ब) पंडित (स) चाचा (द) काका (द)

प्रश्नः– गांधीजी ने चिमनी टोपी कितने शिलिंग में बनवाई ?

(अ) उन्नीस शिलिंग में (ब) पन्द्रह शिलिंग में (स) इक्कीस शिलिंग में (द) दस शिलिंग में (अ)

प्रश्नः– द. अफ्रीका में एशियाई अधिकारियों का थाना कहां स्थित था ?

(अ) डरबन (ब) जोहान्सबर्ग (स) प्रिटोरिया (द) सेन्चुरियन (ब)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न– गांधीजी के अनुसार आत्मिक शिक्षा किसके द्वारा प्राप्त की जा सकती है ?

उत्तर– गांधीजी के अनुसार आत्मिक शिक्षा आत्मिक चेतना के द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

प्रश्न– हिन्द स्वराज पर गांधीजी के विचारों का मजाक उड़ाते हुऐ गोखले ने क्या कहा ?

उत्तर– गोखले ने कहा ''आप एक वर्ष हिन्दुस्तान में रहकर देखेगें, तो आपके विचार अपने आप ठिकाने आ जायेगें''

प्रश्न– शान्ति निकेतन में गांधीजी के मंडल की देखरेख कौन करता था ?

उत्तर– शान्ति निकेतन में गांधीजी के मंडल की देखरेख मगनलाल गांधी करते थे।

प्रश्न– आहार संबंधी पुस्तको का गांधीजी के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर– उनके जीवन में आहार विषयक प्रयोगों ने महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया था।

प्रश्न– गांधीजी शान्ति निकेतन में सबसे पहले किससे मिले थे ?

उत्तर– गांधीजी शान्ति निकेतन में सबसे पहले काका साहब कालेलकर से मिले थे।

प्रश्न– गांधीजी आश्रम में ज्यादा दिन क्यो नही रह पाये ?

उत्तर– गांधीजी आश्रम में ज्यादा दिन नही रह पाये, क्योंकि उन्हे पूना से गोखले के अवसान का तार मिला था।

प्रश्न– गांधीजी ने आत्मा की शिक्षा किस आश्रम के बच्चो को सिखाना शुरू किया ?

उत्तर– गांधीजी ने आत्मा की शिक्षा टॉलस्टॉय आश्रम के बच्चो को सिखाना शुरू किया।

प्रश्न– अंग्रेज मित्रो ने गांधीजी को किस भोजनालय में बुलाया ?

उत्तर– हॉबर्न भोजनालय में।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न– बालको को आत्मिक शिक्षा देने के संबंध में महात्मा गांधी के क्या विचार थे ?

उत्तर– बालको को आत्मिक शिक्षा देने के सम्बन्ध में गांधीजी के विचार बिल्कुल स्पष्ट थे। वे चाहते कि आत्मिक शिक्षा का ज्ञान पुस्तको के माध्यम से नही दिया जा सकता। शारीरिक शिक्षा शरीर की कसरत द्वारा बौद्धिक शिक्षा बौद्धिक कसरत से उसी प्रकार आत्मा की शिक्षा आध्यात्मिक मार्ग से ही दी जा सकती है।

प्रश्न– आश्रम के लोगों के सामने हाथ से सूत कातने में क्या कठिनाईयां आई ?

उत्तर– आश्रम से देसी सूत के करघे पर कपड़ा बुनने वाले कलाकार बहुत खोज के बाद मिले। उनको यह शर्त देनी पड़ती थी कि देशी सूत से बने कपड़े को आश्रम द्वारा खरीदा जायेगा। आश्रम के लोग भी इस बात से भी परिचित हो चुके थे कि सूत काते बगैर स्वदेशी वस्त्र पहनना सम्भव नही होगा।

प्रश्न– 'खादी का जन्म' पाठ का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– महात्मा गांधी चरखे के प्रयोग से हिन्दुस्तान की गरीबी मिटाना व स्वराज्य प्राप्ति का मार्ग खोजना चाहते थे। खादी का जन्म अंश के स्वावलम्बन एवं स्वदेशी की महता उजागर की है। हिन्दुस्तान के बुनकरो के जीवन की उनकी आमदनी की सूत प्राप्त करने में होने वाली कठिनाई की, इसमें वे किस प्रकार ठगे जाते थे, इस सबकी जानकारी हमें मिलती है।

प्रश्न– गांधीजी के एक मित्र ने उनमें बदलाव लाने हेतु क्या–क्या प्रयत्न किये ?

उत्तर– गांधीजी के मित्र को हमेशा चिंता रहती थी कि वे अगर मांसाहार का सेवन नही करेगे तो कमजोर हो जायेगें। प्रयोगों में उनका जीवन व्यर्थ चला जायेगा। उन्हे जो करना है, उसे भूलकर पोथी–पण्डित बन बैठेगें, साथ ही वे अंग्रेजी समाज के सभ्यतारूपी लक्षण नही ग्रहण कर पायेगें, इन सभी बातों को देखते गांधीजी के एक मित्र ने उनमें बदलाव लाने हेतु कई प्रयास किए।

प्रश्न– गोरे अधिकारियों के छूटने के बदले गांधीजी की क्या भावना प्रकट हुई ?

उत्तर– गोरे अधिकारियों को सजा नही मिली, जबकि उनके द्वारा किये गये अपराध को गोरे पंचो द्वारा पक्षपातपूर्ण तरीके से सजा मुक्त कर दिया जाता है। इस घटना से गांधीजी को बड़ी निराशा हुई और वकालत से भरोसा उठ गया। गाँधीजी ने महसूस किया कि बुद्धि का उपयोग अपराध को छिपाने मे होता है, उसे देखकर बुद्धि ही अप्रिय लगने लगी।

प्रश्न– कालेलकर को 'काका' संबोधन किसने किया व क्यों ?

उत्तर– कालेलकर को 'काका' नाम केशवराव देशपांडे ने दिया था वे गंगनाथ विद्यालय का संचालन कर रहे थे। उनका विश्वास था कि विद्यालय में आपसी पारिवारिक भावना होनी चाहिऐ। इस कारण उन्होनें कालेलकर को 'काका' नाम से पुकारा था।

निबंधात्मक प्रश्न

प्रश्नः– 'सभ्य के पोशाक' पाठ में अन्नाहार से संबंधित कौनसी बातें स्पष्ट की गई है?

उत्तरः– 'सभ्य के पोशाक' शीर्षक अध्याय में अन्नाहार से जुड़ी हुई कई बातें स्पष्ट की गई है एक अंश में गांधीजी बताते है कि आहार के विषय में अधिक जानकारी उनकों साल्ट की पुस्तक पढनें से हुई। इनका नतीजा यह निकला कि उनको जितनी भी पुस्तकें मिली सबका अध्ययन कर लिया। हावर्ड विलियम्स की 'आहार नीति' पुस्तक के साथ–साथ डॉ. मिसेज ऐना किंग्सफोर्ड की पुस्तक 'उत्तम आहार नीति' पुस्तक का भी गांधीजी ने अध्ययन कार्य किया। दवा के बजाए अन्नाहार के फेर बदल में भी गांधीजी को बहुत विश्वास था।

गौरा–महादेवी वर्मा

प्रश्नः– ''गाय करूणा की कविता है '' यह किसने कहा ?

(अ) महादेवी वर्मा ने (ब) महात्मा गांधी ने (स) ईश्वरचन्द्र विधासागर ने (द) महर्षि पतंजलि ने (ब)

प्रश्नः– महादेवी वर्मा ने अपनी गाय का क्या नामकरण किया ?

(अ) रचना (ब) लालमणि (स) गौरांगिनी (द) गौवत्सा (स)

प्रश्नः– महादेवी वर्मा गौरा से किस समय मिलने गई जब गाय की अन्तिम यात्रा का समय था ?

(अ) ब्रहम्मुर्हुत में चार बजे (ब) सांयकालीन चार बजे (स) दोपहर दो बजे (द) शाम सात बजे (अ)

प्रश्नः– गाय को सुई किस प्रकार खिलाई गई ?

(अ) रोटी के साथ (ब) चारे के साथ (स) मिठाई के साथ (द) गुड़ के साथ (द)

प्रश्नः– 'मां की व्याधि और आसन्न मृत्यु का बोध उसे नही था' यह पंक्ति किसके लिए प्रयुक्त हुई है–

(अ) लालमणि (ब) बिल्ली (स) कुता (द) गौरांगिनी (अ)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न– 'जिसकी स्मृति मात्र से आज भी मन सिहर उठता है।'' गौरा अध्याय के अनुसार वह वेदनामयी स्मृति क्या थी ?

उत्तर– गौरा की मृत्यु वेदनामयी स्मृति थी।

प्रश्न– गौरा का स्वागत कैसे हुआ?

उत्तर– गुलाबो की माला पहनाई गई, केशर रोली का टीका लगाया गया व दही पेड़ा खिलाया गया।

प्रश्न– ''तुम इतने पशु–पक्षी पाला करती हो एक गया क्यों नही पाल लेती'' यह कथन महादेवी वर्मा से किसने कहा ?

उत्तर– यह कथन महादेवी वर्मा से उसकी छोटी बहन श्यामा ने कहा।

प्रश्न– महादेवी वर्मा गाय के उपचार हेतु किन नगरो के पशु विशेषज्ञो को बुलाया।

उत्तर– गाय के उपचार हेतु लखनउ व कानपुर के पशु विशेषज्ञो को बुलाया गया।

प्रश्न– गौरा रेखाचित्र का सबसे मार्मिक कथन कौनसा है?

उत्तर– गौर रेखाचित्र का सबसे मार्मिक कथन ''आह मेरा गोपालक देश'' है।

प्रश्न– पशु चिकित्सको ने अनेक प्रकार के परीक्षणो के माध्यम से गाय के रोग का निदान खोजते रहे अंत में उन्होनें क्या निर्णय दिया?

उत्तर– पशु चिकित्सको ने अंत में निर्णय दिया कि गाय को सुई खिला दी गई है।

प्रश्न– ''अवसर मिलते ही वे गुड़ में लपेटकर सुई गाय को खिलाकर उसकी असमय मृत्यु निश्चित कर देते है।'' यह वाक्य किनके लिये प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर– कुछ ग्वालो के लिये यह वाक्य प्रयुक्त हुआ है।

प्रश्न– ''अंत में एक ऐसा निर्मम सत्य उद्घाटित हुआ, जिसकी कल्पना भी मेरे लिये सम्भव नही थी'' पंक्ति में किस निर्मम सत्य की बात की गई है?

उत्तर– ग्वालो के द्वारा गाय को सुई खिला देना।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न– गौरा रेखाचित्र मानवीय संवेदना को कैसे प्रदर्शित करता है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– गौरा रेखाचित्र में लेखिका के गाय के प्रति ममत्व व प्रेम को कलात्मक ढ़ंग से प्रस्तुत किया गया है। गाय जैसे प्राणी के प्रति कुछ स्वार्थी ग्वाले कैसी निर्ममता रखते है। गाय की मृत्यु के समय लेखिका की वेदना देखने को मिलती है।

प्रश्न– मुझे कष्ट और आश्चर्य दोनों की अनुभूति हुई लेखिका ने ऐसा ने क्यों कहा ?

उत्तर– लेखिका को इस प्रकार की अनुभूति उस समय होती है, जब उसको पशुचिकित्सको ने बताया कि गाय को सुई खिला दी गई है। आश्चर्य इस बात का था कि जो ग्वाला विश्वास करके दूध दुहने हेतु रखा गया था उसी ने विश्वासघात करके लोभवश गाय को सुई खिला दी थी।

प्रश्न– गौरा का बछड़ा बहुत विशिष्ट था। कैसे?

उत्तर– बछड़े लालमणि को बहुत स्नेह व प्रेम से पाला गया था क्योंकि वह काफी आकर्षक था। उसके सिर पर चांद रूपी सफेद टीका तथा चारो पैरो के खुरों पर सफदे वलय ऐसे लगते थे जैसे चांदी की छाप से अलंकृत किया गया हो।

प्रश्न– ''अब मेरी एक ही इच्छा थी।'' गौरा रेखाचित्र में महादेवी वर्मा ने कौनसी इच्छा की बात की है ?

उत्तर– जब गाय के कंठ में सेब का रस रूकने लगा और मरणासन्न स्थिति में पहुँचने के कारण उसकी चमकीली आँखे कमजोर हो रही थी तब महादेवी वर्मा की इच्छा थी कि वह अंत समय में उसके पास रहे।

प्रश्न– लेखिका की छोटी बहिन श्यामा ने एक दिन लेखिका से क्या कहा? उसका लेखिका पर क्या असर हुआ ?

उत्तर– महादेवी वर्मा की छोटी बहिन श्यामा एक दिन उससे कहती है कि आप इतने पशु–पक्षी पाला करती हो, एक गाय क्यों नहीं पाल लेती।'' छोटी बहिन की इस बात का असर लेखिका पर होता है और वह गौरांगिनी नामक गाय पालना स्वीकार कर लेती है।

प्रश्न– महात्मा गांधी का कथन ''गाय करूणा की कविता है।'' स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– महात्मा गांधी का कथन गाय करूणा की कविता है। इस कथन में गाय को सभी प्राणियों में ज्यादा सम्माननीय जीव दिखाया गया है। मनुष्य का गाय के प्रति विश्वासभाव बना रहे इसी उद्देश्य से मानवीय संवेदना रूपी भाव भी इस कथन से स्पष्ट होते है।

निबंधात्मक प्रश्न

प्रश्न– गौरा रेखाचित्र का कौनसा अंश हमें सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों ?

उत्तर– गौरा रेखाचित्र में जब गाय अपनी मृत्यु के करीब थी उसी समय उसका छोटा बछड़ा वहां उपस्थित था, परन्तु उसको अपनी मां की मृत्यु का बोध नही था। वह अवसर मिलते ही मां के पास जाकर खेलना चाहता था। कभी–कभार उसकी आंखो में आंसुओं की बूंदे भी झलकने लगती थी। इस तरह लालमणि की अबोधता और गाय की दुःखपूर्ण स्थिति वाला भावपूर्ण चित्रण हमें प्रभावित करता है।

शेखावाटी मिशन–100

प्रश्नः– ''जम्मा जागरण '' आन्दोलन की शुरूआत किसने की ?

(अ) बाबा रामदेव (ब) संत जम्भेश्वर (स) गोविन्द गुरू (द) लोकदेवता देवनारायण (अ)

प्रश्नः– ''सर सांटे रूंख रहे तो भी सस्ता जाण'' का संदेश किसने दिया था ?

(अ) देवनारायण जी (ब) बाबा रामदेव (स) अमृता देवी (द) गोविन्द गुरू (स)

प्रश्नः– कर्नल शटल के आदेश पर प्रसिद्व मानगढ हत्याकांड कौनसे वर्ष हुआ था ?

(अ) 1911 ई. (ब) 1921 ई. (स) 1913 ई. (द) 1904 ई. (स)

प्रश्नः– किसने सुल्तान सिकन्दर लोदी को भी गौ हत्या न करने के लिए राजी कर लिया था ?

(अ) बाबा रामदेव (ब) गोविन्द गुरू (स) संत जम्भेश्वर (द) देवनारायण जी (स)

प्रश्नः– लोकदेवता देवनारायण को किसका अवतार माना जाता है ?

(अ) कृष्ण (ब) गणेश (स) ब्रह्मा (द) विष्णु (द)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न– नीनलदे की कुरूपता दूर करना सारंग सेठ को पुनर्जीवित करना, सूखी नदी में पानी निकालना आदि चमत्कार किस लोकदेवता से संबंधित है ?

उत्तर– लोकदेवता देवनारायण जी।

प्रश्न– जोधपुर जिले के खेजड़ली ग्राम का बलिदान कौनसे वर्ष हुआ था ?

उत्तर– जोधपुर जिले के खेजड़ली ग्राम का बलिदान 1730 ई0 में हुआ था।

प्रश्न– महाराजा सूरजमल ने मुगल सेना के साथ कौनसी दो शर्ते रखी थी ?

उत्तर– (i) मुगल सेना पीपल के वृक्ष नही काटेगी।

(ii) मन्दिरो का अपमान नही किया जायेगा, ना ही किसी देवालय को क्षति पहुंचाई जायेगी।

प्रश्न– गोविन्द गुरू को कहां की जेल में कैद किया गया था ?

उत्तर– अहमदाबाद की सेन्ट्रल जेल में।

प्रश्न– ''सम्पसभा'' क्या है?

उत्तर– गोविन्द गुरू द्वारा स्थापित एक सामाजिक संगठन है।

प्रश्न– पिछड़ी बस्ती में हैजा फैल जाने पर अपनी पत्नी को अकेला छोड़कर कौन सेवा चिकित्सा हेतु निकल पड़े थे?

उत्तर– बाबा रामदेव।

प्रश्न– संत जम्भेश्वर का जन्म नागौर जिले के कौनसे गांव में हुआ था ?

उत्तर– पीपासर गांव में।

प्रश्न– सलावत खां की सेना से किसका मुकाबला हुआ था। जिसके परिणामस्वरूप सेना को आत्मसमर्पण करना पड़ा।

उत्तर– महाराज सूरजमल

प्रश्न– गुजरात के पंचमहाल (कम्बोई) नामक स्थान पर जीवन का अन्तिम समय किसका बीता था ?

उत्तर– गोविन्द गुरू

प्रश्न– बाबा रामदेव की धर्म बहन का क्या नाम था ?

उत्तर– डालीबाई

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न– देवनारायण के द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो की विवेचना कीजिए ?

उत्तर– देवनारायण ने अपने समय के अत्याचारी शासन का अन्त किया। उन्होनें अन्याय और अत्याचार को समाप्त करना ही अपने जीवन का लक्ष्य बना रखा थ। देवनारायण जी आयुर्वेद एवं तन्त्रशास्त्र के पण्डित थे। उन्होनें गोबर और नीम का महत्व स्थापित किया तथा क्रांति द्वारा जनता को कुशासन से मुक्ति दिलायी।

प्रश्न– सम्प सभा के सम्मलेन में गोविन्द गुरू के साथ कौनसी घटनाएं घटित हुई ? राजस्थान के गौरव पाठ के आधार पर बताईए ?

उत्तर– सम्प सभा के सम्मेलन में गोविन्द गुरू के पांव में गोली लगी थी और उन्हे गिरतार कर लिया गया था। परिणामस्वरूप उन्हे फांसी की सजा सुनाई गयी। बाद में उसे काला पानी में और फिर आजीवन कारावास में बदल दिया गया। अहमदाबाद की सेन्ट्रल जेल में रखा गया। बाद में उन्हे श्रेष्ठ आचरण के आधार पर सशर्त मुक्त कर दिया गया था।

शेखावाटी मिशन–100

प्रश्न– राजस्थान की भूमि ने सारे देश का गौरव बढ़ाया है। कैसे ?

उत्तर– राजस्थान की भूमि ने ऐसे महापुरूषो को जन्म दिया है, जो न केवल शस्त्र विद्या के धनी थे अपितु उन्हे शास्त्रो का भी उच्चकोटि का ज्ञान था। सामाजिक समरसता की स्थापना, राष्ट्रीय स्वाधीनता, पर्यावरण सरंक्षण एवं सामाजिक सुधार के क्षेत्र में इन्होनें अपना जीवन समर्पित किया, ऐसे सपूतो को जन्म देने वाली राजस्थान की धरती ने सारे देश का गौरव बढ़ाया है।

प्रश्न– 'पूत रा पग पालणे दीखे'' यह कहावत बाबा रामदेव ने कैसे चरितार्थ की ?

उत्तर– बचपन में बाबा रामदेव ने उफनते हुये दूध को नीचे रखकर मां मैणादे को चमत्कार दिखाया। उन्होनें इतिहास, धर्म, दर्शनशास्त्र और अस्त्र–शस्त्रो की शिक्षा प्राप्त की। साथलमेर के भैरव नामक तांत्रिक को समाप्त कर जनता को उसके आतंक से मुक्ति दी। इन सभी कार्यो को देखते बाबा रामदेव पर यह कहावत सही बैठती है।

प्रश्न– खेजड़ली गांव का बलिदान आज भी प्रेरणास्त्रोत के रूप में प्रसिद्ध है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– जोधपुर के महाराजा ने सन् 1730 में अपने सैनिको को राज्यकार्य हेतु वृक्ष काट लाने को कहा। खेजड़ली गांव में खेजड़ी के वृक्षो की अधिकता थी। राजा के सैनिक उस गाँव में पेड़ काटने गए। तब उस गांव की इमरता देवी ने सैनिको को खेजड़ी काटने से रोका। अमृता देवी सहित गांव के कई लोगों ने वृक्षों के हितार्थ अपना बलिदान दे दिया।

प्रश्न– जाम्भोजी के नाम से कौन प्रसिद्ध थे ? उनके अनुयायियों को विश्नोई क्यो कहा जाता है?

उत्तर– जाम्भोजी के नाम से संत जम्भेश्वर प्रसिद्ध हुए। उन्होनें समाज में धर्मस्थापना व प्रकृति के सहजीवन स्थापित करने के उद्देश्य से उनतीस नियम बनाए। इन उनतीस नियमों को मानने से इनके अनुयायियो को विश्नोई कहा जाता है। ये सभी नियम सदाचार, जीवन की नियमितता तथा प्रकृति सरंक्षण पर ही आधारित है।

निबंधात्मक प्रश्न

प्रश्न– पूज्य गोविन्दगुरू ने वनवासियो में कौनसे सामाजिक परिवर्तन किए थे ?

उत्तर– गौविन्द गुरू ने वनवासियों को मेहनत करना, चोरी न करना, मद्य–मांस का सेवन न करना, बेगार न करना, धर्म का दृढ़ता से पालन करना आदि बातो पर विशेष बल दिया। उन्होनें भजनों के माध्यम से शिक्षित करने का प्रयास किया। लोगों के स्वहार्य में विश्वास करने के भाव जागृत किये। समाज सुधार के कार्यो के लिये लोग उनको गोविन्द गुरू कहने लगें।

संवाद सेतु

समाचार लेखन

प्रश्नः– समाचार की शुरूआत जिन पंक्तियों से होती है उसे कहा जाता है–

(अ) स्टोरी (ब) इन्ट्रो या आमुख (स) बाइट (द) विजुअल (ब)

प्रश्नः– आमतौर पर समाचार किस शैली मे लिखे जाते है–

(अ) उल्टा पिरामिड शैली (ब)सीधा पिरामिड शैली (स) लम्बा पिरामिडशैली (द)उपरोक्त सभी (अ)

प्रश्नः– आमतौर पर एक अखबार में कितने कॉलम होते है–

(अ) पाँच (ब) छः (स) सात (द) आठ (द)

प्रश्नः– वर्तमान में अभिव्यक्ति का सशक्त और सर्वव्यापी माध्यम है–

(अ) टी.वी. (ब) रेडियो (स) इन्टरनेट (द) फिल्म (स)

प्रश्नः– इन्टरनेट पर चलने वाले हिन्दी फॉन्ट को कहते है–

(अ) साइबर (ब) बाइट (स) यूनिकोड या मंगल (द) इन्ट्रो (स)

प्रश्नः– स्टोरी किसे कहते है?

उत्तरः– मीडिया की दुनिया में बडी या विस्तारपूर्वक लिखी जाने वाली खबरें ही स्टोरी कहलाती है।

प्रश्नः– समाचार लेखन के छः ककार कौन कौन से है?

उत्तरः– समाचार लेखन के छः ककार है– क्या , कौन ,कहाँ , कब, क्यों और कैसे ।

प्रश्नः– उल्टा पिरामिड शैली किसे कहते है?

उत्तरः– सर्वप्रथम सबसे महत्वपूर्ण तथा उसके उपरान्त महत्व की दृष्टि से घटते क्रम में तथ्यों को रखा जाता है इसे ही उल्टा पिरामिड शैली कहते है।उल्टा पिरामिड शैली में समाचार को तीन भागों में बाँटा जाता है–इन्ट्रो , बॉडी और समापन।

प्रश्नः– वर्तमान में संचार माध्यमों के कितने रूप प्रचलित है? संक्षेप में लिखिये।

उत्तरः– आज संचार के लिये मुख्यतः तीन रूपों का प्रयोग हो रहा है। पहला मुद्रित माध्यम या प्रिन्ट मीडिया है। इसमें समाचार पत्र, पत्रिकायें आती है। दूसरा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम है जिसमें रेडियों , टेलीविजन , फिल्म आते है। तीसरा रूप नवमाध्यम या इन्टरनेट है। इन्टरनेट आज सबसे लोकप्रिय माध्यम है।

प्रश्नः– टीवी समचार लेखन में बाइट्स से क्या आशय है?

उत्तरः– टीवी समचारों में संबंन्धित खबर के साथ समाचार से जुडे लोगों के लघु साक्षात्कार भी होते है जो खबर की पुष्टि करते है उसे बाइट्स कहा जाता है। जैसे मौसम का समाचार दिखाने के लिये मौसम विभाग के अधिकारी का लघु साक्षात्कार प्रस्तुत किया जाता है।

प्रश्नः– नव माध्यमों के लिये कौन लिख सकता है? क्या इसके लिये कोई औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता होती है?

उत्तरः– कोई भी व्यक्ति जो लेखन में रूचि रखता है तथा नवीन माध्यम के प्रयोग की तकनीक से परिचित है, नव माध्यम के लिये लिख सकता है। नव माध्यम मुख्यतः इन्टरनेट को माना जाता है। वैसे तो नवमाध्यमों के लिये कोई भी लिख सकता है लेकिन सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ प्रभावी लेखन के लिये औपचारिक शिक्षा की भी आवश्यकता होती है।

प्रश्नः– हार्ड न्यूज व सॉफ्ट न्यूज से क्या तात्पर्य है?

उत्तरः– हार्ड न्यूज– आमतौर पर रोजाना के घटनाक्रम ,अपराध से जुडी खबरें या दुर्घटनाओं के समाचार हार्ड न्यूज की श्रेणी में आते है। सॉफ्ट न्यूज–मानवीय रूचि से जुडी खबरें ,संवेदनाओं को स्पर्श करने वाले समाचार सॉफ्ट न्यूज की श्रेणी में आते है।

प्रश्नः– वर्तमान समय में लेखन अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त और सर्वव्यापी माध्यम क्या है और क्यों है?

उत्तरः– वर्तमान में इन्टरनेट लेखन अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त और सर्वव्यापी माध्यम है। आप यदि कविता , कहानी, लिखने का हुनर रखते है तो उसे टाईप कीजिये और इन्टरनेट के माध्यम से अपने ब्लॉग या सोशल नेटवर्किंग साईट्स पर अपने अकाउंट पर पोस्ट कर दीजिये। पलक झपकते ही आपकी लिखी सामग्री दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति आसानी से पढ सकता है। इन्टरनेट आज के दौर की सबसे सस्ती और विश्वव्यापी संचार प्रणाली है।

विविध प्रकार के लेखन

प्रश्नः– फीचर क्या है?

उत्तरः– रोचक विषय का मनोरम विशद् प्रस्तुतीकरण ही फीचर है। इसमें दैनिक समाचार सामयिक विषय और बहुसंख्यक पाठकों की रूचि वाले विषय की चर्चा होती है। इसका लक्ष्य मनोरंजन करना ,सूचना देना और जानकारी को जनोपयोगी ढंग से प्रस्तुत करना है।

प्रश्नः– फीचर और लेख में अन्तर बताईये।

उत्तरः– फीचर रोचक शैली में लिखी गई मन को प्रभावित करने वाली रचना होती है जबकि लेख मस्तिष्क को प्रभावित करने वाली रचना होती है। फीचर विषय या घटना के कुछ आयामों को स्पर्श करता है किन्तु लेख उसके सभी आयामों को लेकर चलता है।

प्रश्नः– संपादक के नाम पत्र लिखते समय किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिये।

उत्तरः– संपादक के नाम पत्र लिखते समय विषय की उपयोगिता , प्रासंगिकता और सामयिकता का ध्यान रखा जाना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। सरल ,स्पष्ट एवं आवेशरहित शब्दावली का प्रयोग किया जाना चाहिये तथा सामाजिक द्वेष उत्पन्न करने वाले विषयों से बचना चाहिये।

प्रश्नः– फीचर लेखन के लिये किन बातों का ध्यान रखा जाता है?

उत्तरः– फीचर लेखन के लिये निम्न बातों का ध्यान रखा जाना चाहिये –

1. तथ्यों का संग्रह।
2. फीचर का उद्देश्य निर्धारित करना ।
3. प्रस्तुतीकरण सरस एवं सरल भाषा में सहज ढंग से किया जाये।
4. शीर्षक उपयुक्त एवं आकर्षक होना चाहिये ।
5. साज सज्जा के लिये रेखाचित्र एवं ग्राफिक्स का उचित चयन हो।

प्रश्नः– संपादकीय लेखन से क्या आशय है?

उत्तरः– संपादकीय लेखन एक स्वतंत्र विधा है जिसे किसी नियम या सिद्धान्त में नहीं बांधा जा सकता। इसे समाचार पत्र की आत्मा कहा जाता है। इसके बिना समाचार पत्र का प्रकाशन अधूरा है। संपादकीय न सिर्फ अपनी और से विचार व्यक्त करता है बल्कि वह पाठकों की आवाज भी बनकर सामने आता है।

साक्षात्कार लेने की कला

प्रश्नः– साक्षात्कार किसे कहते है?

उत्तरः– किसी विशेष क्षेत्र में प्रसिद्ध या उपलब्धि प्राप्त करने वाले व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व एवं कार्यो की जानकारी जिस विधि द्वारा प्राप्त की जाती है उसे साक्षात्कार कहा जाता है।

प्रश्नः– किसी साक्षात्कार को लिखने के बाद व प्रकाशन से पूर्व कौनसे कार्य करने चाहिये?

उत्तरः– किसी साक्षात्कार को लिखने के बाद व प्रकाशन से पूर्व उसके पात्र को दिखाकर स्वीकृति लेनी चाहिये।ऐसा कोई अंश प्रकाशित न होने पाये जिससे साक्षात्कार देने वाले का आत्मसम्मान और निजता प्रभावित हो। यदि आलेख में कोई तथ्य अस्पष्ट हो तो साक्षात्कारदाता से सम्पर्क स्थापित कर उसे स्पष्ट कर लेना आवश्यक है।

प्रश्नः– एक अच्छे साक्षात्कारकर्ता के गुणों पर प्रकाश डालिये।

उत्तरः– एक अच्छे व सफल साक्षात्कारकर्ता को विषय और साक्षात्कारदाता व्यक्ति की पूरी जानकारी होनी चाहिये। उसमें धैर्य , साहस, कूटनीति एवं संवेदनशीलता होनी चाहिये। अपनी बौद्धिक क्षमता एवं प्रत्युपन्नमति के द्वारा साक्षात्कार के दौरान कुछ तात्कालिक सवाल पूछने की क्षमता होनी चाहिये।

प्रश्नः– साक्षात्कार कला को कैसे विकसित किया जाता है?

उत्तरः– साक्षात्कार लेना एक कला है इसके लिये साक्षात्कार लेनेवाले की नम्रता ,लेखनशक्ति ,जिज्ञासा ,बोलने की क्षमता, भाषा पर अधिकार, तटस्थता , बातें निकालने की कला , पात्र को सुनने का धैर्य ,मनोविज्ञान , व्यवहारकुशलता एक अच्छे साक्षात्कार को तैयार करने में सहायक सिद्ध होते है।

विविध क्षेत्रों में पत्रकारिता

प्रश्नः– खेल पत्रकारिता पर टिप्पणी लिखिये ।

उत्तरः– आधुनिक युग में खेलों के प्रति पाठकों की रूचि बढी है।सामान्य रिपोर्टिंग से हटकर खेल रिपोर्टिंग दुष्कर मानी जाती है।इसके लिये व्यापक अनुभव, खेलों के सम्बन्ध में पर्याप्त ज्ञान, उनके लिये बने हुये नियम, समय समय पर किये गये बदलाव की सम्पूर्ण जानकारी, सम्बन्धित रिकॉर्ड की जानकारी आदि होना आवश्यक है।

प्रश्नः– खेल पत्रकार में कौन कौनसे गुण होने आवश्यक है?

उत्तरः– खेल पत्रकारों में निम्न गुण होना आवश्यक है–

1. सूक्ष्म व खोजपूर्ण नजर।
2. खेलों के नियमों की सम्पूर्ण जानकारी ।
3. भाषा का समुचित ज्ञान।
4. खेलों की तकनीकी शब्दावली का ज्ञान।
5. खिलाडियों व पदाधिकारियों से बातचीत करके सच्चाई प्रकट करने का साहस।
6. तकनीकी शब्दों को सरल भाषा आम पाठक की भाषा के रूप में प्रस्तुत करने का कौशल।

प्रश्नः– वाणिज्यिक पत्रकारिता का क्या महत्व है?

उत्तरः– वाणिज्य पत्रकारिता आमजन एवं व्यापारी वर्ग के लिये बहुत लाभदायक है। व्यापारी मंडियों के बाजार भाव ,सर्राफा के उतार चढाव, शेयर बाजार का रूझान आदि की जानकारी इस प्रकार के समाचारों से ही प्राप्त करते है। इसी प्रकार जन सामान्य भी समाचार पत्र के इस भाग से अपने लिये उपयोगी जानकारी हासिल करते है। यथा किसान मंडियों के भाव को जानकर अपनी फसल बाजार ले जाता है।

प्रश्नः– विज्ञान पत्रकारिता क्या है?

उत्तरः– वैज्ञानिक क्षेत्रों में किसी कार्यक्रम ,उपलब्धि या खोज की तह तक जानकारी प्राप्त करना तथा उसकी पृष्ठभूमि के बारे में बताना और भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी देना विज्ञान पत्रकारिता कहलाता है।

रिपोर्ताज , यात्रा वृतान्त, डायरी लेखन, संदर्भ ग्रन्थ की महत्ता

प्रश्नः– हिन्दी में रिपोर्ताज विधा की प्रथम रचना कौनसी है?

उत्तरः– रूपाभ पत्रिका में 1938 ई.में प्रकाशित शिवदानसिंह चौहान की 'लक्ष्मीपुरा' रिपोर्ताज विधा की प्रथम रचना मानी जाती है।

प्रश्नः– रिपार्ट और रिपोर्ताज में अन्तर बताइये।

उत्तरः– रिपोर्ट साहित्यिक विधा नहीं है जबकि रिपोर्ताज साहित्यिक विधा है। रिपोर्ट में केवल आँखों देखा हाल होता है, यथास्थिति का वर्णन मात्र होता है जबकि रिपोर्ताज कलात्मकता के साथ घटना को भावपूर्ण शैली में अभिव्यक्त करता है।

प्रश्नः– डायरी लेखन की विशेषताये बताइये।

उत्तरः– डायरी लेखन की विशेषताये निम्न है–

1. डायरीकार अपनी भावना के प्रति ईमानदार होता है।
2. डायरी लेखन डायरीकार की प्रामाणिक अभिव्यक्ति होती है।
3. डायरी लेखन में सभी लेखन विधियों का स्पर्श रहता है।
4. डायरी लेखन विधा में लेखक के आत्मीय गुण तथा प्रवृतियों की अभिव्यक्ति होती है।

प्रश्नः– सन्दर्भ ग्रन्थ किसे कहते है तथा इसका क्या महत्व है?

उत्तरः– शब्दकोष की तरह ही जिन ग्रन्थों या संग्रहों में मानव द्वारा संचित ज्ञान को संक्षेप में प्रस्तुत किया जाता है उन्हे सन्दर्भ ग्रन्थ कहते है। संदर्भ ग्रंथ समस्त जानकारी एवं सूचनाओं के संक्षिप्त संकलन होने से ज्ञान के भंडार माने जाते है।किसी विषय पर तुरन्त जानकारी प्राप्त करने के लिये संदर्भ ग्रन्थ अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं उपयोगी रहते है। इनमें जानकारियों तथा विविध विषयों का संकलन क्रमानुसार और शब्दकोश के नियमानुसार होता है।

प्रश्नः– यात्रावृत लेखन के विकास में राहुल सांकृत्यायन का योगदान समझाइये।

उत्तरः– यात्रा साहित्य के विकास में राहुल सांकृत्यायन का योगदान अप्रतिम है। इतिवृत–प्रधान शैली के उपरान्त भी गुणवत्ता व परिणाम की दृष्टि से इनके यात्रा वृतान्तों की तुलना में कोई दूसरा लेखक कहीं नहीं ठहरता है। उन्होने तिब्बत में सवा वर्ष ,मेरी यूरोप यात्रा, मेरी तिब्बत यात्रा आदि यात्रा वृतान्त लिखे। ''मेरी यूरोप यात्रा'' मे यूरोप के दर्शनीय स्थलों के अतिरिक्त कैम्ब्रिज तथा ऑक्सफॉर्ड विश्वविद्यालयों के रोचक वृत भी प्रस्तुत किये गये है।

मॉडल प्रश्न पत्र
उच्च माध्यमिक परीक्षा 2020–21
विषय–हिन्दी अनिवार्य

समय–3:15 घण्टे **पूर्णांक–80**

खण्ड 'अ'

प्रश्न–1. नीचे दिये गये बहुविकल्पी प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कर उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में लिखिये।

(क) भाषा के चिह्नों को प्रकट करने का माध्यम है–

(अ) ध्वनि (ब) लिपि (स) व्याकरण (द) वाक्य ( )

(ख) व्याकरण के आवश्यक रूप से किन तत्वों की विवेचना की जाती है–

(अ) वर्ण (ब) शब्द (स) वाक्य (द) उक्त सभी ( )

(ग) वर्तमान में अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त एवं सर्वव्यापी माध्यम है–

(अ) टीवी (ब) रेडियों (स) इन्टरनेट (द) फिल्म ( )

(घ) आमतौर पर समाचार किस शैली में लिखे जाते है–

(अ) उल्टा पिरामिड शैली (ब) संवाद शैली (स) कथात्मक शैली (द) रचनात्मक शैली ( )

(ङ) कवि रहीम ने सज्जन व्यक्ति की क्या पहचान बताई है–

(अ) परोपकारी (ब) उत्तम स्वभाव (स) अभिमान रहित (द) उपरोक्त सभी ( )

(च) ''जादू टूटता है उषा का''में जादू का अर्थ है–

(अ) तमाशा (ब) खेल (स) आकर्षण (द) मनोरंजन ( )

(छ) ''तेरी कुड़माई हो गई''– कथन में निहित भाव है–

(अ) अवसाद (ब) असफलता (स) निश्छल प्रेम (द) वेदना ( )

(ज) ''गाय करूणा की कविता है'' यह किसने कहा–

(अ) महादेवी वर्मा (ब) महात्मा गाँधी (स) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर (द) महर्षि पतंजलि ( )

(झ) Publication शब्द का हिन्दी रूपान्तरण होगा–

(अ) प्रस्ताव (ब) प्रावधान (स) प्रकाशन (द) विवरण ( )

(ञ) Resignation शब्द का हिन्दी रूपान्तरण होगा–

(अ) त्यागपत्र (ब) संकल्प (स) सेवा निवृति (द) आरक्षण ( )

प्रश्न 2–5 के उत्तरनिम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढकर दीजिये। (उत्तर सीमा 10 शब्द)

सद्ग्रन्थ मानव समाज की अमूल्य निधि है। इस निधि की समानता में समाज के पास अन्य कोई सम्पत्ति नहीं।मानव अपने जीवन के लिये जो कुछ भी उत्तम की प्राप्ति करता है उसमे सद्ग्रन्थों का ही विशेष योगदान है। उत्तम ग्रन्थ पुस्तकालय की शोभा मात्र ही नहीं है वरन् मानवीय गुणों के विकास में ये प्रमुख भूमिकाएं निभाते है। आप किसी भी विषय की अच्छी पुस्तक लीजिये वह आपकी ज्ञान वृद्धि करेगी और आपकी चिर–पिपासा शांत कर सकेगी। जीवन के ऊँचे आदर्शों की स्थापना भी ये ग्रन्थ–रत्न करते है। सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम् की त्रिवेणी का स्त्रोत इन्ही ग्रन्थों में है। ये मानव जीवन के सच्चे साथी और एकमात्र हितैषी है। मानव एक दूसरे को धोखा दे सकता है किन्तु एक अच्छा ग्रन्थ सर्वोच्च सुख की अनुभूति प्रदान करता है। जिस प्रकार अच्छे ग्रन्थ कल्याण के वाहक है उसी प्रकार बूरी पुस्तकें उतनी ही अनिष्टकारक हैं। ऐसी निम्न श्रेणी की पुस्तकें सदैव त्याज्य है।

प्रश्न–2. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिये। 1

प्रश्न–3. मानव जीवन में सद्ग्रन्थों का विशेष योगदान क्या है? 1

प्रश्न–4. किस प्रकार की पुस्तकें त्याज्य है? 1

प्रश्न–5. मानव जीवन के सच्चे साथी और एकमात्र हितैषी कौन है? 1

शेखावाटी मिशन–100

प्रश्न 6–9 के उत्तर निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढकर दीजिये। (उत्तर सीमा 10 शब्द)

''संभलों कि सु–योग न जाए चला,
कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला?
समझो जग को न निरा सपना,
पथ आप प्रशस्त करो अपना।
अखिलेश्वर है अवलम्न को ,
नर हो न निराश करो मन को।।''

प्रश्न–6. उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिये। 1

प्रश्न–7. काव्यांश में मनुष्य को क्या प्रेरणा दी गई है? 1

प्रश्न–8. कवि के सफलता पाने का क्या उपाय है? 1

प्रश्न–9. सु–योग से कवि का क्या आशय है? 1

प्रश्न–10. बिहारी के काव्य की कोई दो विशेषतायें लिखिये। 1

प्रश्न–11. ''साजि चतुरंग सैन अंग में उमंग धारि'' उक्त पंक्ति में 'चतुरंग सैन' से क्या आशय है? 1

खण्ड (ब)

प्रश्न–12. स्वयं को शासन सचिव, शिक्षा विभाग मनोज कुमार मानते हुये राज्य के समस्त संस्था प्रधानों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुनिश्चितता हेतु एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिये। 2

प्रश्न–13. लेखक ने किस अर्थशास्त्र को मायावी तथा अनीतिशास्त्र कहा है? ''बाजार दर्शन'' पाठ के आधार पर बताइये। 2

प्रश्न–14. ''उषा कविता'' में कवि ने किस तरह के बिम्ब उभारे है? 2

प्रश्न–15. सूर्यास्त के समय हिमशिखरों पर कैसा दृश्य दिखाई दिया? ''ठेले पर हिमालय'' पाठ के आधार पर बताइये। 2

प्रश्न–16. ''कल, देखते नहीं, यह रेशम का कढ़ा हुआ सालू।'' लड़की के इस कथन का बालक लहनासिंह के मन पर क्या असर पड़ा? 2

प्रश्न–17. ''अन्त में एक ऐसा निर्मम सत्य उद्घाटित हुआ।'' वह निर्मम सत्य क्या था? 2

प्रश्न–18. यमक अलंकार को उदाहरण सहित समझाइये। 2

प्रश्न–19. ''मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोय।
जा तन की झाँईं परे, स्याम हरित दुति होय।।'' इस पद में निहित अलंकार को स्पष्ट कीजिये। 2

खण्ड (स)

प्रश्न–20. कवि शमशेर बहादुरसिंह अथवा जैनेन्द्रकुमार का साहित्यिक परिचय दीजिये। 4

प्रश्न–21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिये। 4

(अ) कोरोना एक वैश्विक महामारी
(ब) महंगाईः समस्या और समाधान
(स) बेराजगारीः समस्या और समाधान
(द) राजस्थान में बढता जल संकट

प्रश्न–22. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये। (उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

आते समय मेरे एक सहयोगी ने कहा था कि कश्मीर के मुकाबले में उन्हे कौसानी ने अधिक मोहा है। गाँधी जी ने यहीं अनासक्ति योग लिखा था और कहा था कि स्विट्जरलैण्ड का आभास कौसानी में ही होता है। ये नदी, घाटी, खेत, गाँव सुन्दर हैं किन्तु इतनी प्रशंसा के योग्य तो नहीं है। हम कभी कभी अपना संशय शुक्ल जी से व्यक्त भी करने लगे और ज्यों ज्यों कौसानी नजदीक आता गया त्यों त्यों अधैर्य, असंतोष और अन्त में तो क्षोभ हमारे चेहरे पर झलक आया।

अथवा

उसका क्षोभकारक रूप बहुत से आवरणों के भीतर ढ़क गया है। अब इस बात की आशंका तो नहीं रहती है कि कोई जबरदस्ती आकर हमारे घर, खेत, बाग–बगीचें, रूपये–पैसे छीन न लें, पर इस बात का खटका रहता है कि कोई नकली दस्तावेजों, झूठे गवाहों और कानूनी बहसों के बल से इन वस्तुओं से वंचित न कर दें। दोनों बातों का परिणाम एक ही है।

प्रश्न–23. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये। (उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

हम तो दुहूँ भांति फल पायो
जो ब्रजनाथ मिलै तो नीको,नातरू जग जस गायो।।
कहँ वै गोकुल की गोपी सब बरनहीन लघुजाती।
कहँ वै कमला के स्वामी संग मिलि बैठी इक पाँती
निगमध्यान मुनिज्ञान अगोचर ते भए घोषनिवासी
ता ऊपर अब साँच कहों धौं मुक्ति कौन की दासी?

अथवा

कदली, सीप, भुजंग– मुख, स्वाति एक गुन तीन।
जैसी संगत बैठिये, तैसोई फल दीन।।
काज परै कछु ओर है, काज सरै कछु और।
रहिमन भँवरी के भए, नदी सिरावत मौर।।

खण्ड (द)

प्रश्न–24. फिल्म पत्रकारिता के इतिहास पर टिप्पणी लिखिये। 5

अथवा

रिपोर्ताज की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न–25. व्यक्तिगत डायरी तथा साहित्यिक डायरी मे क्या अन्तर होता है? स्पष्ट कीजिये। 5

अथवा

एक संचार माध्यम के रूप में इन्टरनेट की उपयोगिता पर प्रकाश डालिये।

खण्ड (य)

प्रश्न–26. ''उसने कहा था'' कहानी की मूलभूत विशेषताओं का उल्लेख कीजिये। (उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

अथवा

''गाँधीजी की आत्मकथा हमें सात्विक और सार्थक जीवन जीने के लिये प्रेरित करती है।'' सिद्ध कीजिये।

अथवा

''गौरा'' शीर्षक रेखाचित्र की विषयवस्तु अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिये ।

प्रश्न–27. ''बिहारी ने अपने काव्य में गागर में सागर भर दिया है'' इस कथन पर प्रकाश डालिये। 6

अथवा

''उषा'' कविता के आधार पर शमशेर बहादुरसिंह की बिम्ब योजना पर प्रकाश डालिये।

अथवा

''भूषण'' वीररस के कवि थे। स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न–28. ममता कहानी के माध्यम से नारी एवं आदर्शों पर एक लेख लिखिये। 6

अथवा

''तौलिये'' एकांकी के आधार पर आज के तड़क भड़क एवं तकल्लुफ प्रधान जीवन पर अपने विचार व्यक्त कीजिये।

अथवा

'बाजार दर्शन' निबन्ध में लेखक ने बाजार का सही उपयोग करने के लिये किन किन बातों का ध्यान रखने पर बल दिया है? आप बाजार का सही उपयोग किस प्रकार करेंगे।

शेखावाटी मिशन–100

मॉडल प्रश्न पत्र
उच्च माध्यमिक परीक्षा 2020–21
विषय–हिन्दी अनिवार्य

समय–3:15 घण्टे **पूर्णांक–80**

खण्ड 'अ'

प्रश्नः 1 नीचे दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों मे सही विकल्प का चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखे।

(i) निम्नलिखित में से कौनसी पूर्वी हिन्दी की प्रमुख बोली नहीं है? 1

(अ) अवधी (ब) कुमायूंनी (स) बधेली (द) छतीसगढी

(ii) "Allotment" शब्द का हिन्दी रूपांतरण होगा। 1

(अ) आवंटन (ब) संशोधन (स) नियुक्ति (द) अनुमोदन

(iii) भगत जी को चूरन बेचते न जाने कितने वर्ष हो गए लेकिन उन्होनें एक भी दिन चूरन से कितने आने पैसे से ज्यादा नहीं कमाए? 1

(अ) पांच आने (ब) सोलह आने (स) छः आने (द) बारह आने

(iv) तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर, त्यों मलेच्छ बंस पर सेर सिबराज है इसमें अलंकार है ? 1

(अ) श्लेष (ब) यमक (स) विरोधाभास (द) उपमा

(v) 'उषा' कविता में है – 1

(अ) तमाशा (ब) खेल (स) आसमान की यात्रा (द) सवेरे की लालिमा का वर्णन

(vi) फीचर का मुख्य उद्देश्य क्या है? 1

(अ) मनोरंजन करना (ब) सूचना देना

(स) जानकारी को नए ढंग से प्रस्तुत करना (द) उपर्युक्त सभी

(vii) व्यक्ति जब अपने अनुभवों को प्रतिदिन लिखता है तो उस दस्तावेज को क्या कहा जाता है? 1

(अ) दैनन्दिनी (ब) फीचर (स) रिपोतार्ज (द) शब्दकोश

(viii) सूरदास जी की अक्षय कीर्ति का आधार ग्रन्थ कौनसा है? 1

(अ) सूरसारावली (ब) साहित्य लहरी (स) सूरसागर (द) बरवै रामायण

(ix) रोहतास दुर्ग के प्रकोष्ठ में बैठी युवती ममता किस नदी के प्रवाह को देख रही थी? 1

(अ) सिन्धु नदी (ब) कर्मनाशा नदी (स) भोगवा नदी (द) शोण नदी

(x) 'Unfair' शब्द का हिन्दी अर्थ होगा? 1

(अ) अनुचित (ब) अनुपम (स) अद्यतन (द) अवांछनीय

अत्तिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्नः 2–5 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए (उत्तर सीमा 10 शब्द)

बच्चों की शिक्षा, संस्कारों और सही लालन–पालन से सरोकार रखने वालों को यह जान लेना चाहिए कि कुछ बच्चों में प्रकृति प्रदत सृजनात्मक क्षमताएं भी होती है और यदि उन्हें उनके आस–पास की दुनिया की पहली जानकारी उसे शब्दों के जरिए कराई जाएगी, जो उनके मां के दूध के साथ नहीं मिले हैं तो उनकी सृजनात्मक प्रवृति के साथ खिलवाड़ होगा। बहुत से घरों में बुक को किताब या पुस्तक कहने पर पाबंदी है। यह प्रवृति बड़े शहरों मे फैलती हुई अब छोटे शहरों तक पहुंच रही है और समझा यह जा रहा है कि बचों को चीजों के अंग्रजी नाम सिखाना ज्ञान अथवा आधुनिकता का घोतक तो है ही साथ ही उन्हें जीवन संघर्ष के लिए तैयार रहने का सबसे अच्छा तरीका भी है।

प्रश्न–2 बच्चों को प्रारम्भ से ही चीजों के अंग्रेजी नाम सिखाना किस बात का परिचायक माना जा रहा है? 1

प्रश्न–3 मां के दूध के साथ मिलने वाले संस्कार से क्या अभिप्राय है? 1

प्रश्न–4 अंग्रेजी शब्दों के नामकरण की प्रवृति शहरों से किसकी तरफ बढ रही है? 1

प्रश्न–5 'सृजनात्मक क्षमता' क्या है? 1

शेखावाटी मिशन–100

प्रश्न–6–8 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा 10 शब्द)

नीलाम्बर परिधान, हरित पट पर सुन्दर है
सूर्यचन्द्र युगमुकुट, मेखला रत्नाकार है।
नदियां प्रेम प्रवाह, फूल तारें मंडल है
बंदी विविध विहंग, शेषफल सिंहासन है।
करते अभिषेक पयोद है, बलिहारी इस देश की
हे! मातृभूमि तू सत्य ही, सगुन मूर्ति सवैश की।।

प्रश्न–6 मातृभूमि पर प्रेम रूपी प्रवाह किसका बताया गया है? 1

प्रश्न–7 पद्यांश का उचित शीर्षक बताईए? 1

प्रश्न–8 'हे! मातृभूमि तू सत्य ही, सगुन मूर्ति सर्वेश की' से कवि का क्या अभिप्राय है? 1

प्रश्नः–9 यात्रा अनुभवों का साहित्यिक लेखन करना ..... कहलाता है। 1

प्रश्नः–10 भारत में इन्टरनेट पत्रकारिता का दूसरा चरण सन् ..... से शुरू हुआ। 1

प्रश्नः–11 डायरी लेखन लेखक की ..... होती है। 1

खण्ड – ब

प्रश्न–12 वर्धमान महावीर विश्वविधालय कोटा की ओर से एक विज्ञप्ति प्रारूप तैयार कीजिए, जिसमें परीक्षाओं की तारीख परिवर्तित करने की सूचना दी गई हो। (उत्तर सीमा 50 शब्द) 2

प्रश्न–13 ''बाजार में एक जादू है जो आंख राह काम करता है।'' पंक्ति के मूल अर्थ को स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न–14 'तेरे ही भुजानी पर भूतल को भार' कविता में कवि ने शिवाजी की क्या–क्या विशेषताएं बताई गई है? 2

प्रश्न–15 कवि बिहारी ने राधा से क्या प्रार्थना की है? 2

प्रश्न–16 कवि जयशंकर प्रसाद की रचनाओं के नाम बताइए। 2

प्रश्न–17 सम्प सभा की स्थापना किसने व क्यों की? 2

प्रश्न–18 ''लहना को चकमा देना आसान नहीं'' लहना सिंह ने ऐसा क्यों कहा? 2

प्रश्न–19 तौलिए एकांकी में किस मुख्य उद्देश्य को प्रभावी रूप से स्पष्ट किया गया है? 2

खण्ड – स

प्रश्न–20 वाणिज्य पत्रकारिता से आप क्या समझते है? (उत्तर सीमा 60 शब्द) 5

अथवा

एक अच्छे रिपोतार्ज की कोई चार विशेषताएं बताइएं।

प्रश्न–21 साक्षात्कार का प्रमुख आधार संवाद है। कथन को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 5

अथवा

संपादक के नाम पत्र लिखते समय किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

प्रश्न–22 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए– 4

(अ) विद्यार्थी जीवन एवं अनुशासन।
(ब) रंग–बिरंगा राजस्थान।
(स) पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका।
(द) मेरा प्रिय खेल।

प्रश्न–23 धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 4

अथवा

कवि रहीम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

शेखावाटी मिशन–100

प्रश्न–24 निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

मुझे आपसे घृणा है या नहीं, इसे मैं ही जानती हूँ, पर आपको मुझसे जरूर घृणा है। आपने मुझसे शादी कर ली, मैं जानती हूं। क्यों कर ली यह भी जानती हूं, लेकिन विवाह के लिए आपका तैयार हो जाना यह नहीं बताता कि आपको मुझसे नफरत नहीं। इसका क्रोध चाहे आप मेरी सफाई पर निकालें या मेरी पोशाक या मेरे स्वभाव पर।

अथवा

हे भगवान! तब के लिए! विपद् के लिए! इतना आयोजन! परमपिता की इच्छा के विरूद्व इतना साहस! पिताजी, क्या भीख न मिलेगी? क्या कोई हिन्दू भू–पृष्ठ पर बचा न रह जायेगा, जो ब्राह्मण को दो मुठ्ठी अन्न दे सके? यह असम्भव है। फेर दीजिए पिताजी, मैं कांप रही हूँ। इसकी चमक आंखों को अंधा बना रही है।

प्रश्न–25 निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो और
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है।

अथवा

तरूवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान।।
थोथे बादर क्वांर के, ज्यों रहीम घहरात।
धनी पुरूष निर्धन भये, करै पाछिलि बात।।

प्रश्न–26 'भय का फल भय के संचार काल तक ही रहता है।' पंक्ति को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए

अथवा

'बाजार से हठ विमुखता उसमें नहीं' वाक्यांश किसके लिए क्यों कहा गया है? विस्तार से विवेचना कीजिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

प्रश्न–27 बिहारी का काव्य ग्रंथ 'बिहारी सतसई' की लोकप्रियता का क्या कारण है? (उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

अथवा

सूरदास के पदों में वर्णित प्रेमाभक्ति भावना को स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न–28 महादेवी वर्मा द्वारा रचित 'गौरा' रेखाचित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

खेजड़ली ग्राम का बलिदान क्यों प्रसिद्व है? (उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

शेखावाटी मिशन–100

सपने होंगे सच

ALLEN CAREER INSTITUTE
KOTA (RAJASTHAN)
SIKAR, RAJASTHAN

Pre-Nurture &
Career Foundation Division

Class 6th to 10th | NTSE | OLYMPIADS & BOARD

Admission Open
Session 2021-22

New Batches for

Class 6th to 10th

7 April & 12 May 2021

(*ENGLISH MEDIUM*)

Strong Foundation Leads to

EXTRAORDINARY RESULTS

ALLEN SIKAR
Classroom Students
Qualified for

INMO
Indian National Mathematical Olympiad
&
INJSO
Indian National Junior Science Olympiad
(Conducted by HBCSE)

KRISH GUPTA
Class: 10th

DINESH BENIWAL
Class: 10th

HIMANSHU THALOR
Class: 9th

ALLEN® SIKAR Result : JEE (Adv.) 2020

प्रथम वर्ष में ही JEE (Adv.) का सर्वश्रेष्ठ परिणाम

AIR **736**

AIR **836**

SUBHASH
Classroom Student

KULDEEP SINGH CHOUHAN
Classroom Student

ALLEN® SIKAR Result : JEE (Main) 2021 (Feb. Attempt)

दो साल बेमिसाल

एलन सीकर ने गढ़े कीर्तिमान,
जेईई-मेन में दिए
शेखावाटी टॉपर्स

MATHEMATICS
100
PERCENTILE

शेखावाटी टॉपर

शेखावाटी गर्ल्स टॉपर

ROHIT KUMAR
Classroom
99.9892474 %tile

SAKSHI GUPTA
Classroom
99.8925637 %tile

ALLEN® SIKAR Result : NEET (UG) 2020

प्रथम वर्ष में एलन सीकर, क्लासरूम के 165 + विद्यार्थियों को मिला सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश

680/720
AIR **695**
AIIMS Jodhpur

675/720
AIR **866**
AIIMS Jodhpur

LAVPREET KAUR GILL
Classroom Student

AYUSH SHARMA
Classroom Student

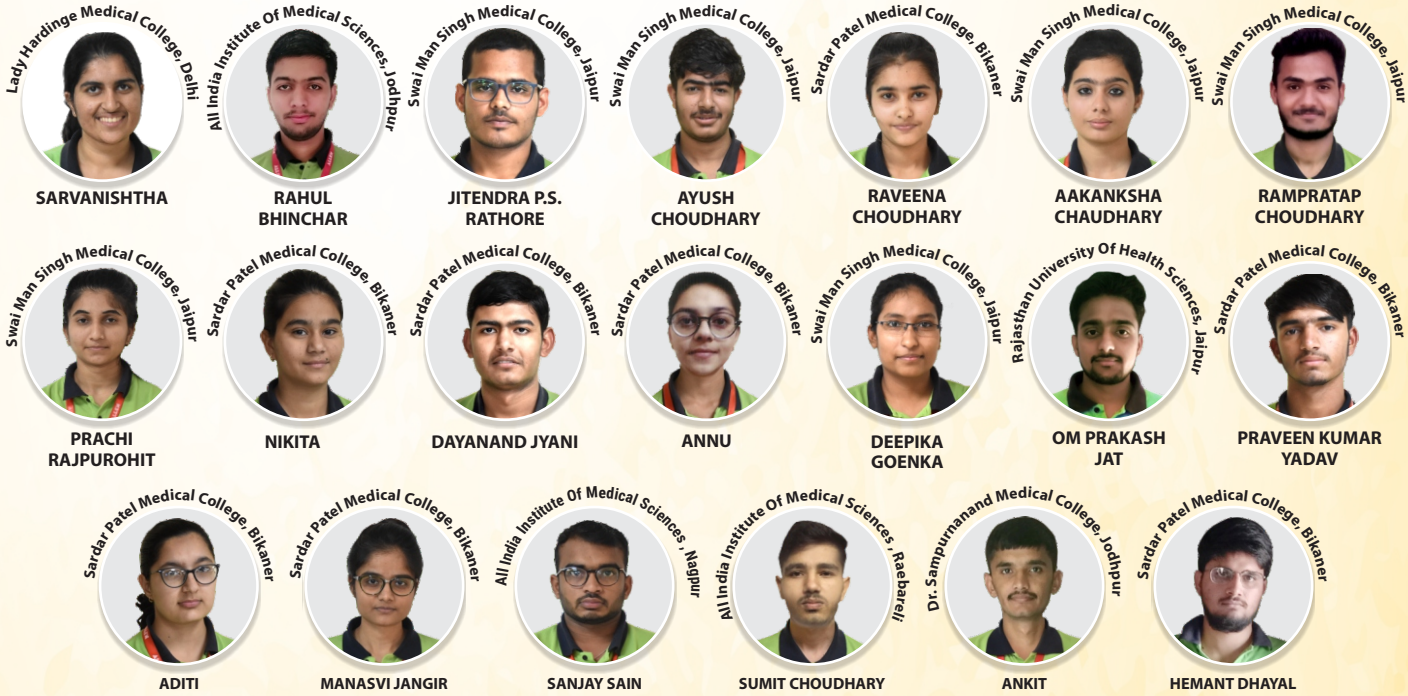

SARVANISHTHA | RAHUL BHINCHAR | JITENDRA P.S. RATHORE | AYUSH CHOUDHARY | RAVEENA CHOUDHARY | AAKANKSHA CHAUDHARY | RAMPRATAP CHOUDHARY

PRACHI RAJPUROHIT | NIKITA | DAYANAND JYANI | ANNU | DEEPIKA GOENKA | OM PRAKASH JAT | PRAVEEN KUMAR YADAV

ADITI | MANASVI JANGIR | SANJAY SAIN | SUMIT CHOUDHARY | ANKIT | HEMANT DHAYAL

UPCOMING NEW BATCHES for JEE (Main+Adv.) & NEET (UG)

(Hindi & English Medium)

NURTURE BATCH	ENTHUSIAST BATCH	LEADER BATCH
(For Class 10th to 11th Moving Students) Starting from	(For Class 11th to 12th Moving Students) Starting from	(For Class 12th Appeared / Pass Students) Starting from
2, 9, 16 June & 30 June 2021	**7 April 2021** Both 11th & 12th syllabus will be covered	**2 June & 16 June 2021**

ALLEN® SIKAR

TEAM ALLEN @ SIKAR

एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट
(ASAT)

04, 11, 25 अप्रैल 2021 | 09, 23, 30 मई 2021,
06, 13, 20, 27 जून 2021

90% तक स्कॉलरशिप

ALLEN® CAREER INSTITUTE KOTA (RAJASTHAN) path to success

DOWNLOAD FREE SAMPLE PAPERS

ALLEN Sikar Center: "SANSKAR," Near Piprali Circle, Sikar-Jhunjhunu Bypass, Piprali Road, Samrathpura, Sikar
Tel.: 01572-262400 | **E-mail** : sikar@allen.ac.in

Corporate Office : "SANKALP", CP-6, Indra Vihar, Kota (Raj.) INDIA, 324005
Tel.: 0744-2757575 | **Email**: info@allen.ac.in | **Web**: www.allen.ac.in

ALLEN Info & Admission App
Download from Google play

www.allen.ac.in/sikar | facebook.com/allensikar | twitter.com/allensikar | youtube.com/allencareerinstitute